मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

वर्ष-4 | अंक-8 मार्च-2021 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

विज्ञापन

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उ.पू, जोन के चुनावों में हो रही अनियमितताओं से न्याय दिलाने की

अपील

आदरणिय समाज बन्धुओं,

सादर नमस्कार।

मैं वर्ष 1995 से भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा का आजीवन सदस्य हूँ। मेरे आजीवन सदस्यता में मेरा पता कुमावत कोलोनी, रवि किराना स्टोर के पास, झोटवाड़ा, जयपुर रहा है। मैंने कभी भी पता परिवर्तन करने के लिए लिखित में आवेदन नहीं किया है। मैं, मेरे जन्म से ही इसी पते पर निवास करता हूँ। मैं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्व चुनाव में वर्ष 1998, 2003, 2010 में लड़ चुका हूँ उक्त चुनाव भी उपरोक्त झोटवाड़ा के पते पर ही लडा हूँ। 1998 में मैं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के चुनाव में विजय रहा। मैं 2002 में चुनाव हारा था तथा 2010 में फिर से चुनाव में विजय रहा था। वर्तमान में हो रहे चुनावों की मतदाता सूची में मेरे निवास स्थान का पता मेरी बिना लिखित निवेदन के सांगानेर वार्ड में डाल दिया। जिसकी मैंने प्रकाशित मतदाता सूची पर आपत्तियों की अंतिम तारीख से पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी श्री रामेश्वर बम्बोरिया एवं श्री सतीश चंद खाटूवाल को नामांकन पत्र पर आपत्ति आने से पूर्व मौखिक आपत्ति मैंने दे दी थी तथा बाद मे मैंने लिखित जवाब व आपत्ति दे दी थी। इसके बावजूद मुख्य चुनाव अधिकारी श्री रामेश्वर बम्बोरिया एवं श्री सतीश चंद खाटूवाल व मुख्य समन्वयक श्री जी.एस. टाँक व एक ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ताराचंद सिरोहिया मेरा नामांकन निरस्त कर रहे है। मुख्य आधार है कि मैंने 8.1.2020 जो कि मतदाता सूची पर आपत्ति की अन्तिम तारीख थी उसी दिन आपत्ति पेश नहीं की। दूसरी ओर मुख्य चुंनाव अधिकारी श्री सतीश चंद खाटूवाल की पत्नी श्रीमती साधना खाटूवाल का नाम भी सांगानेर वार्ड के स्थान पर लालकोठी वार्ड में था नामांकन सांगानेर वार्ड से भरा था तथा आपत्ति दिनांक 8.1.2020 तक नहीं की थी फिर भी उनका नामांकन निरस्त नहीं कर रहे है। इसी तरह श्री राजेश देवतवाल का नाम दिनांक 8.1.2020 तक की मतदाता सूची में शामिल नहीं था तथा इन्होनें 8.1.2020 तक आपत्तियां पेश नहीं की थी फिर भी मुख्य चुनाव अधिकारी श्री सतीश चंद खाटूवाल के रिश्तेदार होने के कारण नामांकन निरस्त नहीं कर रहे है। श्रीमती प्रीति खोरानिया जो उ.पू. जोन के कार्यकारिणी का चुनाव लड़ रही है जिसका नाम भी 8.1.2020 को मतदाता सूची में झोटवाड़ा के स्थान पर ढेहर का बालाजी की सूची में नाम अंकित होने के बाद भी श्रीमती प्रीति खोरानिया के पति श्री ब्रह्म कुमार एडवोकेट श्री ताराचंद सिरोहिया के नजदीकी होने के कारण नामांकन को निरस्त नहीं किया जा रहा है। लालकोठी से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के चुनाव लडने वाले श्री महेन्द्र भौरोदिया ने नामांकन पत्र में स्वयं का गोत्र ही गलत लिखा है इसके बावजूद भी नामांकन को निरस्त नहीं कर रहे है। चौमू वार्ड से राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चुनाव लड़ने वाले श्री शंकर लाल, श्री गिरधारी लाल, श्री द्वारका प्रसाद कोलूगरिया ने प्रस्तुत नामांकन में मतदाता संख्या व नाम पते ही गलत लिखे है इसके बावजूद भी उनका नामांकन निरस्त नहीं कर रहे है। अन्य कई नामांकन पत्रों में भी इसी प्रकार की त्रुटियां होने के बावजूद नामांकन निरस्त नहीं कर रहे है, जबकि मेरा नामांकन पत्र एक अनुचित तरीके से वर्तमान में प्रकाशित मतदाता सूची में महामंत्री श्री छोटूराम बडीवाल व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ताराचंद सिरोहिया ने अनुचित तरीके से मेरा नाम सांगानेर वार्ड में डाल दिया। क्योंकि श्री ताराचंद सिरोहिया झोटवाडा से राष्ट्रीय कार्यकारिणी का चुनाव लड रहे हैं। 2010 में चुनाव हारने के बावजूद भी असंवैधानिक तरीके से राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गये थे। अब दुबारा भी अनियमियत तरीके से चुनाव में भाग लेना चाहते है और हारने के डर से मेरे नामांकन पत्र को निरस्त कर रहे है। सत्य यह है कि मैं समस्त प्रमाणों के साथ झोटवाड़ा क्षेत्र का निवासी हूँ फिर भी यह सत्य क्यों नहीं स्वीकार किया जा रहा है। अन्य सब बातें महज औपचारिक्ता हैं। मेरा निवदेन यह है कि सत्य को सत्य ही रहने दिया जाये।

अत: सभी समाज बन्धुओं से निवेदन है कि इस संबंध में मुख्य चुनाव अधिकारी श्री रामेश्वर बम्बोरिया, श्री सतीश चंद खाटूवाल व मुख्य समन्वयक श्री जी.एस. टाँक से अनुरोध कर मेरे नामांकन को स्वीकार करावे अथवा सभी समाज बन्धुओं से अपील है कि अगर मेरा नामांकन निरस्त होता है तो कानून के अनुसार दिनांक 8.1.2020 को मतदाता सूची में आपत्ति पेश नहीं करने वाले सभी नामांकन पत्रों को निरस्त करवाये। अन्यथा मुझे वैद्यानिक कार्यवाही द्वारा स्थगन आदेश लाने हेतु विवश होना पड़ेगा। ऐसी स्थिति मैं दोष का भागीदार नहीं रहूंगा।

सत्यमेव जयते!

मनोहर कुमावत (निरानिया)
कुमावत कॉलोनी, रवि किराना स्टोर के पास,
झोटवाड़ा, जयपुर, मो. : 924503824

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : 2806, खड़गटा भवन,गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	विनोद बालोदिया	मो. 9829059312
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
		मनोज सिरस्वा	मो. 9414043127
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक 9414810584, राजेन्द्र जूनवाल 9828139099, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, रोहित कुमावत (मोरवाल) 9887097092, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496 , चेतन बालोदिया 9414052736 एवं श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक हेमचन्द कुमावत (खड़गटा) द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं 2806, खड़गटा भवन, गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

मानव जीवन बड़ा ही अनमोल, अमूल्य, अनुपम, अद्वितीय व अतुलनीय है। जिसे पाने को देवता भी तरसते हैं। किंतु कुछ लोग इस जीवन को पाकर भी हताश, निराश, उदास और दु:खी रहते हैं। यदि इस जीवन को सरलता व मधुरता के साथ जिया जाए तो उसमें आनंद- ही- आनंद है...तथा शांति- ही- शांति है और यदि जीवन जीने का तरीका सही नही होगा तो जीवन में दु:ख और अशांति रहेगी।

हम शांति से मन की गहराइयों तक देखेंगे तो पाएंगे कि दुखों का वास्तविक कारण अनियंत्रित मन,अनुशासनहीनता और दुराचरण है। इसके कारण एकाग्रता का अभाव रहता है।

यदि हम मन से किसी कार्य को निरंतर करने का अभ्यास करते हैं तो धीरे-धीर वैसी ही हमारी आदत बन जाती है। सदाचरण से आत्मविश्वास बढ़ता है और सद्विचार आत्मसात होते हैं इससे मन सशक्त होता है। इससे व्यक्ति विषम परिस्थितियो में भी शांति और आनंद के साथ रह सकता है।

परिवार के बुजुर्ग/ माता- पिता/बड़ों से सनातन धर्मानुसार नियमित सदाचरण करेंगे तो परिवार के छोटे सदस्यों में संस्कार स्वत: स्थान्तरित होंगे, विशेषकर अल्प आयु के सदस्य बड़ों के व्यवहार से बहुत कुछ स्वत: ही सीख जाते है। सद- आचरण केवल पूजा पाठ अथवा दिनचर्या में ही नहीं है बल्कि हमारे विचार, व्यवहार और आपसी संबंधों में भी होना चाहिए। इसके लिए दृढ़संकल्प एवं धैर्य के साथ सतत अभ्यास की आवश्यकता है। कई लोग अपनी गलतियों या कमियों पर कुडकुडाते रहते हैं, चिंतित रहते हैं कि वे कैसे इसके पार होंगे ? यह बहुत चिंताजनक है। यह स्थिति हमारी ऊर्जा को सोख लेती है और नकारात्मक प्रभावों को हमारे ऊपर हावी होने का अवसर देती है। फलस्वरुप व्यक्ति परिवार में अनुचित व्यवहार करके माहौल को खराब कर देता हैं। इनके बजाएं व्यक्ति को स्वयं में अच्छी आदतों का समावेश कराना चाहिए ताकि विषम परिस्थितियों में भी शांति एवं हंसी-खुशी के साथ जीवन जीया जा सके।

परिवार के साथ हंसी से बिताए हर पल महत्वपूर्ण है ये हमारे में खुशी व नवीन ऊर्जा का संचार कर हमें तनाव मुक्त कर देती हैं। जो अपने लोगों के बीच व परिवार में हंसते नहीं है उनके जीवन में उदासी व नकारात्मकता डेरा बना लेती है तथा सदैव दु:खी रहने से मन पर एक आवरण बन जाता है जिसमें स्वयं का अस्तित्व ही नजर नहीं आता है। उन्हें जीवन में सुखद संभावनाएं नहीं दिखती। परिवार में हंसी खुशी का अभ्यास स्वास्थ्य का संवर्धन कर दीर्घायु देता है। एक यूनानी विद्वान का कहना है की सदा खींजने वाला हेराक्लिटस नामक विचारक बहुत कम जिया तो वही प्रसन्नचित मन वाला डेमोक्रिटस 90 वर्ष जीया। जो सदैव प्रसन्न रहने की कला जानते हैं। वहां ईश्वर स्वयं ही विराजमान हो जाते हैं, ऐसे परिवार सीमित संसाधनों में भी आनंद से जीवन व्यतीत करते हैं।

गंभीरता एक अच्छा गुण है लेकिन सदैव गंभीरता बनाए रखने से व्यक्ति सहजता खो देता है। खुशी का अभ्यास गंभीरता का हरण कर मन को हल्का कर देता है तथा गंभीरता में भी आनंद की अनुभूति होती है ।

अत: परिवार, आफिस, कार्यस्थल, दोस्तों और रिश्तेदारों में हंसी-खुशी व्यवहार रूपी इत्र की शीशी का उपयोग करने का अभ्यास करें ताकि इससे निकलने वाली खुशबू, खुद के साथ अपने परिवेश को भी सुगंध से सरोबार कर सकें। यदि परिवार खुश हैं तो समाज और देश भी खुश होगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से सभी पाठकों को होली की शुभकामना।

-राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

यहां पर यह देखें

सम्पादकीय	3
विज्ञापन : बधाई	4
जगदीश कुमावत रोटरी वर्ष 2021-22 के लिए असिस्टेंट गवर्नर नियुक्त	5
श्री रोन्द्र प्रसाद खोराणिया राजस्थान ज्योतिष वास्तु परिषद के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त	5
कल्पना कुमावत का राष्ट्रीय टीम में चयन	6
स्केटिंग रेस : मास्टरलविन घोड़ीवाल ने जीता सिल्वर मैडल	6
रिया कुमावत ने जीता ब्रॉन्ज मैडल	6
मोनिका कुमावत का NEET में चयन	6
कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर की नवीन कार्यकारिणी ने शपथ ली	7
होली पर बरसे प्रेम रंग	8
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जादूगर आंचल सम्मानित	9
नरेश कुमावत को 'राजस्थान गौरव' सम्मान	9
राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति का अधिवेशन नवरतन मोरवाल बने निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित	10
गजानन्द करड़वाल की स्मृति में कुर्सियां लगवाई	10
चौमूं में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पार्षद महेन्द्र ने सौंपा ज्ञापन	10
श्री कैलाश रेणवाल जिला प्रमुख बने	11
सावित्री फाउंडेशन द्वारा विधवाओं को आर्थिक अनुदान	11
प्रशान्त म्यूजिक क्लासेज की वेबसाईट का विमोचन	11
'हुनर' में तितिक्षा कुमावत का द्वितीय स्थान	11
हेमचन्द बोरा सांवेर अभिभाषक चुनाव में निर्वाचित	11
सुनील कुमावत नेहरू युवा केन्द्र संगठन के सदस्य	11
स्मृति शेष : स्व. मोहरी देवी (105 वर्षीय)	12
भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उ.पू. जोन चुनाव अनियमिताओं स मनोहर कुमावत व्यथित	12
मोनिका कुमावत (पटेल) का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन	12
सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न	12
टीम चेतन धुंधारिया का स्थापना दिवस टीम चेतन धुंधारिया व श्री श्याम सेवक परिवार द्वारा	13
भजन संध्या ''एक शाम श्याम साँवरे के नाम'' भजन संध्या का आयोजन	13
टाँक (क्षत्रिय कुमावत) मेवाड़ का इतिहास पुस्तक का विमोचन	13
मुहूर्त अनुसार विवाह नहीं करने के परिणाम	14
एक उभरती संस्था	14
राज्य स्टैथ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप पवन कुमावत को गोल्ड मैडल	15
तीरंदाज हनी कुमावत का राजस्थान टीम में चयन	15
नेहा कुमावत का भारती टीम में चयन	15
पायल कुमावत को 1 लाख रुपए की छात्रवृत्ति	15
मुस्कान कुमावत को गोल्ड मैडल दिया गया	15
पत्रिका ग्लोबल फेस्ट 'उल्लास' में कवि बनज	16
श्री कृष्ण के मंदिर के लिए भूमि समर्पित की	16
राजस्थान पत्रिका द्वारा ललिता कुमावत का सम्मान	16
विज्ञापन : बधाई अविरल मारवाल, रमेश कुमाव एवं टीम	17
बधाई : रमेश कुमावत एवं टीम	18
भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति	19
महिलाओं को प्रतिदिन व्यवहारिक सम्मान दें	20
'हेमचन्द कल से आज' पुस्तक की समीक्षा	21
हाईवे होटल्स के बिजनेस मॉडल का पर्दाफाश	22
पौराणिक, धार्मिक व औषधीय गुणों से भरपूर ''तुलसी का पौधा''	23
विशिष्ठ संरक्षक	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिकानहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
विज्ञापन : बधाई एवं वैवाहिक	27
विज्ञापन : बधाई	28
श्रद्धांजलि	29
विज्ञापन : बधाई	30

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

के द्विवार्षिकी चुनाव में विजयी होने पर

रमेश जी गैदर

व उनकी टीम को

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

होली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

13 अप्रैल, 21

स्थापना दिवस

13 अप्रैल, 21

टीम चेतन धुंधारिया

चेतन धुंधारिया मो. 9829017584, 8209687840

विज्ञापन

जगदीश कुमावत रोटरी वर्ष 2021-22 के लिए असिस्टेंट गवर्नर नियुक्त

जगदीश कुमावत, सीकर को रोटरी वर्ष 2021-22 के लिए असिस्टेंट गवर्नर नियुक्त किया गया है। रोटरी अंतरराष्ट्रीय विश्व का सबसे बड़ा गैर सरकारी संगठन है। यह संगठन मानव मात्र की सेवा को संकल्पित है।

इसमे राजस्थान और गुजरात राज्य मिलाकर एक सेवा क्षेत्र बनता है जिसे रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3054 कहते है। इसमें एक गवर्नर निर्वाचित होता है, जिसे उसके कार्य संचालन में सहयोग के लिए असिस्टेंट गवर्नर की नियुक्ति की जाती है। इस डिस्ट्रिक्ट को विभिन्न जोन में विभक्त किया गया है, जिसमे से जोन 33 कुमावत का कार्य क्षेत्र रहेगा।

रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय ने पोलियो उन्मूलन सहित विभिन्न गंभीर बीमारियों के समय मानव सेवा की है । वर्तमान मे शिक्षा और बालिका स्वास्थ्य रोटरी की प्राथमिकताएं है। आप वर्ष 2018-19 में रोटरी क्लब के अध्यक्ष रह चुके है। आपने अपने कार्यकाल में चिकित्सा के क्षेत्र में जॉइंट मिशन के तहत सीकर-श्रीमाधोपुर-रींगस में 2500 रोगियों का OPD में तथा 175 रोगियों की निशुल्क सर्जरी करवा कर लाभान्वित किया है।

आपका कुमावत स्टील्स के नाम से बिजली, स्टील, सीमेंट व भवन सामग्री का व्यवसाय है जहां उच्च गुणवत्ता का माल वाजिब कीमत पर उपलब्ध रहता है।

श्री राजेन्द्र प्रसाद खोराणिया राजस्थान ज्योतिष-वास्तु परिषद के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

श्री राजेन्द्र प्रसाद कुमावत का जन्म वर्ष 1956 में श्री लाल चन्द जी खोराणिया के घर पर हुआ। आप शासन सचिवालय जयपुर से वरिष्ठ उपशासन सचिव के पद से सेवानिवृत्त हैं। आप वनस्थली मार्ग, लालपुरा कॉलोनी जयपुर के मूल निवासी हैं तथा वर्तमान में 177, कटेवा नगर, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर के निवासी हैं। श्री खोराणिया विभिन्न मंत्रीगण एवं प्रमुख शासन सचिवों/ शासन सचिवों के पास निजी सहायक/निजी सचिव/उप शासन सचिव/ वरिष्ठ उपशासन सचिव रहते हुए राज्य सेवा की है तथा अधिकारियों के पसन्दीदा रहे हैं। आपकी ज्योतिष की जानकारी से अनेक लोगों ने लाभ लिया है। अनेक ज्योतिष सम्मेलनों में आपने भाग लिया है तथा आयोजकों ने आपकी प्रतिभा को देखेकर सम्मानित किया है जिनमें 'ज्योतिष रत्न' सम्मान भी है। अखिल भारतीय ज्योतिष-वास्तु एसोसिएशन मुख्यालय इंदौर द्वारा आपको राजस्थान ज्योतिष-वास्तु परिषद का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री खोराणिया का इसके अतिरिक्त कुमावत क्षत्रिय सभा जयपुर में सामाजिक योगदान रहा। श्री भौरीलाल जी वर्मा के अध्यक्ष रहने के समय आप संस्था में मंत्री भी रह चुके हैं। आप सभी के प्रिय हैं तथा ज्योतिष की जानकारी का लाभ भी समाजजनों को दिया है।

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के 14 मार्च, 2021 को
हुए चुनाव में **रमेश कुमावत (गैदर)** एवं **गौरव अजमेरा** की टीम की शानदार जीत

कल्पना कुमावत का राष्ट्रीय टीम में चयन

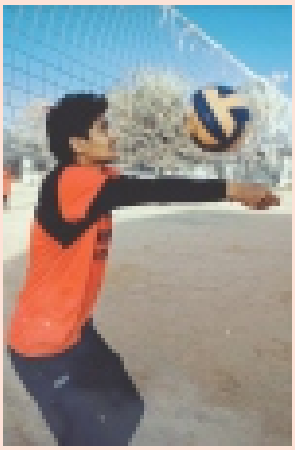

कल्पना कुमावत निवासी जिजोट गांव, कुचामन का राष्ट्रीय सीनियर बॉलीबॉल टीम में चयन हुआ है। आप छोटे से गांव से हैं, आपके पिता छीतरमल कुमावत पेशे से कारीगर है व माता श्रीदेवी गृहणी है। अपनी मेहनत व लगन से कल्पना ने यह उपलब्धि अर्जित की है। इससे पूर्व कल्पना 4 बार राष्ट्रीय जूनियर टीम का हिस्सा रह चुकी है, 12 राज्यों में बॉलीबॉल प्रतियोगिता खेल चुकी है, 2013 में स्कूल स्टेट में रजत व 2014 तथा 2015 में गोल्ड जीत चुकी है। आपने 2020 व 2021 में भी गोल्ड मैडल जीत कर नाम कमाया। आपको 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपखंड तथा जिला स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है।

पर यह उपलब्धियां परिवार के साथ समाज की हौसला अफजाई बिना संभव नही। कल्पना को भी झाबरमल ढाका का सहयोग व समर्थन मिला तो यह मुकाम हासिल हुआ।

हम अपनी बच्चियों को न केवल पढ़ाई बल्कि उसकी रुचि अनुरूप उसे खेल आदि क्षेत्रों में बढ़ावा देवे। कल्पना कुमावत को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई व उज्ज्वल भविष्य की कामना।

स्केटिंग रेस : मास्टर लविन घोड़ीवाल ने जीता सिल्वर मैडल

राजस्थान स्टेट फैडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा दिनांक 7-8 मार्च, 2021 को बीकानेर में आयोजित राज्य स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में मास्टर लविन कुमावत पुत्र श्री मनीष घोड़ीवाल निवासी प्लाट नं. 7/218 मालवीय नगर जयपुर ने सिल्वर मैडल प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

मास्टर लविन कुमावत आयु वर्ग 5-7 वर्ष के शिशु वर्ग के प्रतिभागी रहे। छोटी सी उम्र में ही मास्टर लविन कुमावत का स्केटिंग के साथ-साथ शतरंज के भी खिलाड़ी है, इसके अतिरिक्त इनको साईकिलिंग का भी शौक है।

स्केटिंग की तैयारी मास्टर लविन कुमावत ने 2 वर्ष पूर्व से ही प्रारम्भ कर दी थी जब ये मात्र 4 वर्ष के थे। प्रतियोगिता के दौरान 2 बार पगबाधा से ग्राउण्ड पर गिरने के बाद भी इन्होंने जज्बा जारी रखा एवं उठकर पुन: रेस में अपना दूसरा स्थान प्राप्त किया। आपकी उपलब्धी से कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ है।

कुमावत इण्डिया मास्टर लविन घोड़ीवाल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

रिया कुमावत ने जीता ब्रॉन्ज मैडल

दूसरे 'खेलो इंडिया विंटर गेम्स', गुलमर्ग, कश्मीर में राजस्थान महिला टीम की रिया कुमावत(ग्राम पंचायत देवतवालो की ढाणी, जोबनेर) ने आइस स्टॉक स्पोर्ट्स में ब्रॉन्ज मैडल जीत कर उत्साह का संचार कर दिया।

रिया का जोबनेर पहुचने पर 5 मार्च को स्वागत किया गया।

रिया कुमावत ने खेल के क्षेत्र में कुमावत समाज का मान बढ़ाया है, रिया को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

मोनिका कुमावत पुत्री श्री अर्जुन जी कुमावत उदयपुरिया का प्रथम प्रयास में NEET 2020 में AIR-6490 रेंक के साथ चयन होने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में **रमेश कुमावत (गैदर)** अध्यक्ष की टीम को भारी मतों से विजयी होने पर **हार्दिक बधाई**

विनोद बालोदिया व **चेतन बालोदिया**

Raj Blocks OFFSET PRINTERS

Nr. Sai Baba Temple, Choura Rasta, jaipur
B-81, Road No. 4, Kartarpura Ind. Area,
22 Godown, Jaipur Mob.: 9829059312, 9829436551

विज्ञापन

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर की नवीन कार्यकारिणी ने शपथ ली

आखिर 14 मार्च, 2021 को कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव सम्पन्न हुए जिसके मुख्य बिन्दु निम्नानुसार हैं-

- रमेश कुमावत (गैदर) पुन: अध्यक्ष निर्वाचित।
- इनकी पूरी टीम की शानदार विजय।
- जीत-हार का अनुपात 80:20 रहा।
- विरोधियों की आपत्तियों व मिथ्या आरोपों को मतदाताओं ने सिरे से खारिज किया।
- यह टीम वर्ष 2016 के चुनाव में भी 75 प्रतिशत से अधिक वोटों से विजयी रही थी।
- विरोधियों का बिना चुनाव कराए पदों की बंदरबांट करके पद हथियाने की कोशिश बेकार हुई।

मालवीय नगर में प्राय: मिल-बैठकर चुनाव सम्पन्न कराए जाते रहे हैं जिसमें कुछ लोग अपने वर्चस्व के कारण अध्यक्ष बनते रहे हैं। प्रथम बार वर्ष 2016 में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव हुए तथा अब दूसरी बार वर्ष 2021 में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव सम्पन्न हुए। यद्यपि इस चुनाव में भी कुछ लोगों जिनमें क्षेत्र के बाहर के कुछ कदवार व्यक्ति बिना चुनाव कराए मिल-बैठकर पदाधिकारी चुनने का प्रस्ताव दिया। किन्तु इस बार क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने इसे इनकार कर दिया। अन्तत: चुनाव हुए जिसमें ऐसे पदाधिकारी जो पहले कार्यकारिणी में भी थे किन्तु अध्यक्ष का अहसयोग करने व मिथ्या आरोप लगाने के कारण बुरी तरह पराजित हुए। इससे पता लगता है ऐसे लोगों का समाज में क्या आधार व प्रतिष्ठा है? नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश कुमावत (गैदर) पिछली बार अध्यक्ष थे। उन्होंने बेसमेंट की फिनिशिंग कराने का वादा पूरा किया जिसमें उनकी कार्यकारिणी के अधिकांश साथियों ने सहयोग नहीं किया जो कार्यकारिणी में नहीं थे। श्री रमेश कुमावत (गैदर) का साथ बिना कार्यकारिणी में रहते हुए मेरे द्वारा दिया गया। विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के घर-घर जाकर लगभग 4.50 लाख रुपए संग्रहित कर बेसमेंट की फिनिशिंग कार्य कराया। कोरोना काल में भी समाज से सहयोग राशि संग्रहित करके बेसमेंट की फिनिशिंग कार्य का भुगतान किया। जबकि कार्यकारिणी की सामूहिक जिम्मेदारी थी। इसके अलावा वार्षिक समारोह, गोठ, डांडिया कार्यक्रम कराया जिसकी सभी ने सराहना की।

इन चुनावों की विधिवत घोषणा पूर्व कार्यकारिणी द्वारा की गई थी। किन्तु अभी पराजित हुए उम्मीदवारों ने पूर्व में चुनाव अधिकारी से अविधिक रूप से निरस्त करवा दिये थे। अन्तत: न विरोधियों की चली न मुख्य चुनाव अधिकारी की चली, आखिर चुनाव कराने पड़े।

चुनाव परिणाम निम्नानुसार रहे।

कुल मतदान 129

पद	प्रत्याशी	प्राप्त मत	विजेता के मतों का %
अध्यक्ष	श्री बाबूलाल नीमिवाल	21	
	श्री रमेश कुमावत (गैदर)	**105**	**83**
	निरस्त	3	
उपाध्यक्ष	श्री हेमन्त कुलचानिया	5	
	श्री ओम प्रकाश कुलचानिया	**96**	**75**
	श्री सुरेश धमुनिया	27	
	निरस्त	1	
उपाध्यक्ष (महिला)	**श्रीमती भारती तोंदवाल**	**103**	**82**
	श्रीमती नन्दिनी सिरोहिया	23	
	निरस्त	3	
मंत्री	**श्री गौरव अजमेरा**	**103**	**83**
	श्री नन्दलाल सिरोहिया	21	
	निरस्त	4	
संगठन एवं प्रचार मंत्री	**श्री अजय अनावड़िया**	**103**	**82**
	श्री भागचन्द दम्बीवाल	23	
	निरस्त	3	
कोषाध्यक्ष	श्री ब्रजगोपाल नीमीवाल	23	
	श्री सुरेन्द्र बाबु घोड़ीवाल	**102**	**82**
	निरस्त		

निर्विरोध निर्वाचित : श्री आशुतोष कोलूगरिया (उपमंत्री), श्री सिद्धार्थ घोड़ीवाल (उपमंत्री), श्रीमती पूनम कुमावत (उपमंत्री महिला), श्री अनिल वर्मा (सहकोषाध्यक्ष), श्री हरदेव कुमावत (कार्यकारिणी सदस्य), श्रीमती कमलेश मारोठिया (कार्यकारिणी सदस्य महिला) एवं श्रीमती रीमा अजमेरा (कार्यकारिणी सदस्य महिला)

इन चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि जब कोई किसी सामाजिक संस्था में आए तो सकारात्मक रूप से संस्था के हित में ईमानदारी, कर्मठता, नई सोच व साथ-साथ चलें तथा कार्यकारिणी का हौंसला बढ़ाए। यदि अड़ंगे लगाएंगे, असहयोग करेंगे, काम नहीं करने देंगे तो जागरूक मतदाता अपने वोट के माध्यम से ऐसे लोगों को बाहर का रास्ता दिखाते रहेंगे। अब समय आ गया है कि संस्थाओं में बिना चुनाव काबिज हुए लोग स्वयं को बदलें, संस्था के विधान के अनुसार नियमित चुनाव कराएं। आमसभा अथवा कुछ लोगों को इकट्ठा करके अपने चेहरे को आगे करके संस्था में काबिज होने का प्रयास न करें। चुनाव से अच्छे लोग संस्थाओं में आते हैं जिनसे हमारी सामाजिक संस्थाएं आगे बढ़ती हैं व नई सोच को प्रोत्साहन मिलता है। हमारा तो यही आग्रह है कि पराजित उम्मीदवार अपनी कटुता भुलाए तथा निर्वाचित पदाधिकारियों को सहयोग व समर्थन देकर अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करें।

मालवीय नगर जयपुर की नवनिर्वाचित टीम को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।-**चन्द्र प्रकाश अजमेरा**

होली पर बरसे प्रेम रंग

उत्सव कोई भी हो, सभी उमंग का संचार करते हैं। खासकर होली तो तन और मन दोनों को ऊर्जा से सराबोर कर देती हैं। होली इस बार 28 मार्च को पड़ रही है। रंगों और प्यार के त्योहार होली के बारे में कई धार्मिक ग्रंथों में अलग-अलग उल्लेख मिलता है, लेकिन सबका सार एक ही है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव है। विकारों के दहन का पर्व है। यह आनंदोल्लास, भाईचारे मस्ती व धमाल का सतरंगा त्योहार है। फागुन जब अपने पूरे वैभव के साथ आता है तो हम सभी सम्मोहित हो उठते है। प्रकृति के रूप-रंग, मौज मस्ती और प्रेम में डूब जाते हैं।

रंगों के त्योहार होली के ठीक एक माह पूर्व माघी पूर्णिमा के दिन भक्त प्रहलाद के प्रतीक के रूप में होली का डांडा रोपा जाता है। होली का डांडा रोपने के साथ ही होली गीतों की शुरूआत हो जाती है। सभी प्रमुख मंदिरों में गीत-संगीत और नृत्यों के माध्यम से ठाकुरजी को रिझाया जाता है। प्रतिदिन शाम को चंग की थाप पर धमाल गाई जाती है। कई गांवों में तो नाच-कूद की धूम देर रात तक चलती रहती है।

होली भारतीय संवतसर का अंतिम पर्व है। इसके अगले पखवाड़े से नव संवत का प्रारम्भ हो जाता है। होली का धार्मिक महत्व किसानों की उपज से संबंधित है। होली के समय रबी की फसल पक कर तैयार हो जाती है। नई फसल को होलिका की आंच दिखाना शुभ माना गया है। तभी तो होलिका दहन के समय हम गेहूं और चने की बालियों को होली की अग्नि को स्पर्श कराकर घर लाते है।

होली से जुड़ी सबसे प्रचलित कथा है भक्त प्रहलाद की है। प्रहलाद को जलाने में होलिका खुद जल जाती हैं और हिरण्यकश्यप का नाश भगवान नरसिंह अवतार के रूप में करते है। दूसरी कथा है भगवान शिव और कामदेव की। दक्षिण भारत में लोग होली का त्योहार पूरी दुनिया को बचाने के लिये भगवान शिव के ध्यान भंग करने के भगवान कामदेव के बलिदान के उपलक्ष्य में मनाते है। भगवान ने कामदेव को राख से जीवित किया, तो राख से होली खेलते हैं।

तीसरी कथा है राज पृथु और राक्षसी ढुंढी की। राजा पृथु ने ढुंढी राक्षसी से अपने राज्य को बचाने के लिए फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन आग जलाएं, मंत्र पढ़े और अग्नि की परिक्रमा की। कई बच्चे एक साथ देखकर राक्षसी ढुंढी वहां आई तो मंत्रों के प्रभाव से वहीं मारी गई और होली की शुरूआत हुई।

अन्य कथा है कि कंस ने श्रीकृष्ण को मारने के लिए राक्षसी पूतना को नंदगांव भेजा, तो श्रीकृष्ण उसे पहचान गए और उसका वध कर दिया। उस दिन फाल्गुन पूर्णिमा थी। मान्यता है कि तब राक्षसी के अन्त की खुशी में लोगों ने होली मनाई थी। श्रीकृष्ण रसराज भी है। श्रीकृष्ण के जीवन की घटनाओं से होली गहनता से जुड़ी है। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा और ब्रज में होली की छटा देखते ही बनती हैं।

एक दिन यशोदा मां ने श्रीकृष्ण को यह सुझाव दिया कि वे राधा के मुख पर वही रंग लगा दें, जिसकी उन्हें इच्छा हो। बस फिर क्या था, श्रीकृष्ण ने होली के दिन राधा को अपने मनचाहे रंग मे रंग दिया। प्रेस से भरे यह नारंगी, लाल, हरे, नीले, पीले, गुलाबी, बैंगनी तथा काले रंग सभी के मन से कटुता व वैमनस्य को धो देते हैं तथा सामुदायिक मेल-जोल को बढ़ाते हैं।

श्रीकृष्ण और राधा ने होली में प्रेम का रंग चढ़ाया हैं। तभी तो ब्रज की होली का एक विशेष स्थान है। उस समय का होली गीत - **'आज बिरज में, होरी रे रसिया',** आज भी प्रचलित है। **ब्रज में स्थित नंदगांव व बरसाना में रंग के साथ-साथ लट्ठमार होली की भी परंपरा है।** वहां फाग व रसिया गाये जाते है। ब्रज की होली सर्वत्र प्रसिद्ध है। एक मान्यता ऐसी भी है कि इस दिन लोग नाच-गाकर एक-दूसरे को रंगों से कुरूप कर शिव के गणों का वेश धारण कर भोलेनाथ को प्रसन्न करते है।

जीवन में सौंदर्य है, रस है। जीवन रंग-बिरंगा है। रंगो का मेला है। इस अवसर पर सबको प्रेम रंग में भिगोने की आवश्यकता है, क्योंकि प्रेम के रंग में सारे रंग मिल जाते है। मीराबाई ने अपने प्रियतम श्रीकृष्ण के साथ प्रेम के रंगों से सराबोर होली खेली। महाकवि सूरदास जैसे नेत्रहीन कवि भी फाल्गुनी रंग से बच न सके। सूर ने अपने पदों में कान्हा की होली का अनोखा वर्णन किया है।

तो आइए, होली पर हम सबको आपसी सद्भाव के एक रंग में रंग डाले। होली के रंगों में जब तक रिश्तों की मिठास न घुली हो, प्रेम का रंग न मिला हो, तो होली होली नही लगती। इस पर्व पर होली की धमाल में सारी कड़वाहटें भुला दें और खुशी के रंगों से, मन के रंगों से अपनी जिंदगी और रिश्तों को भी तर कर डालें। रंगों में रंगकर प्रसन्नचित्त हो जाएं। खुशियां बांटने से ही जीवन रंगीन होता है।

पुर्णिमा के अगले दिन प्रतिपदा को रंग खेले जाने की प्रथा है, जिससे धुलण्डी कहते है। अर्थात् धूल से खेलना, यज्ञ की भस्मी, अबीर, गुलाल एक दूसरे के शरीर पर लगाना। इसे स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा माना गया है। कई स्थानों पर पांचवें दिन पंचमी रंगों के साथ मनाई जाती है। ये सारे प्रतीक बंसत से जुड़े हैं, जिसका आगमन होली के कुछ समय पहले ही होता है। बसंत

प्रकृति को कई रंगों के फूलों से सजा देता है। प्रकृति के साथ हम भी रंगें और जीवन को भी उल्लासमय बनाएं। यही होली का धर्म और कर्म है। मूल यह है कि समाज की बुराइयां और हमारे विकार अवश्य नष्ट किए जाएं।

रंगो भरे होली के त्योहार पर जरा सी असावधानी आपको नुकसान पहुंचा सकती है। होली खेले, लेकिन सावधानी से। कहीं रंगों का दुष्प्रभाव अस्पताल ना पहुंचा दे। होली के रंग त्वचा, आंख, कान, नाक सहित विभिन्न अंगों को नुकसान पहुंचा सकते है। विशेषज्ञों के अनुसार हल्के स्तर के रंग और गुलाल में ऐसे रसायन भी होते है, जिससे श्वास और अस्थमा हो जाता है। अस्थमा रोगियों को तेज खुशबू वाले रंग और गुलाल से बचना चाहिए। आंखों में रंग-गुलाल चले जाने पर मसलने के बजाय ठंडे पानी से धोएं। रंगीन पानी से भरे गुब्बारे, गुलाल गोटा आदि का प्रयोग नहीं करें, इनके प्रयोग से आंख में नुकसान हो सकता है। बेहतर होगा यदि प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करें।

होली का धार्मिक महत्व तो है ही, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व भी है। होली का त्योहार हमारी सभ्यता एवं संस्कृति का प्रतीक है। सभी को मर्यादा में रहकर इस पर्व को मनाना चाहिए। होली पर हम अपने भेदभाव भुलकर एक हो जाए, यही इस महापर्व का संदेश है। इस बार होली पर प्रेम रंग बरसे, शुभकामनाएं।

- डॉ. राजेन्द्र जगनाथ्या

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जादूगर आंचल सम्मानित

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर **संपर्क संस्थान राजस्थान द्वारा** 8 मार्च को होटल ग्रांड सफारी, जयपुर में आयोजित सम्मान समारोह में उदयपुर निवासी व विश्व प्रसिद्ध जादूगर आंचल को, जादू के क्षेत्र में उसकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में राजस्थान सरकार की शासन सचिव डॉ. आरूषी मलिक के मुख्य आतिथ्य एवं इग्नू की रीजनल डायरेक्टर डॉ. ममता भाटिया की अध्यक्षता में इ**स कार्यक्रम में प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों में महारत हासिल करने वाली 11 महिला प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया तथा जादुगर आँचल कुमावत भी उनमें से एक थी।** इस अवसर पर दूरदर्शन की पूर्व प्रोड्यूसर उषा रस्तोगी ने विशिष्ट अतिथि एवं मोटिवेशनल स्पीकर सुनीता रांदड ने मुख्य वक्ता थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व सन्ध्या 7 मार्च 2021 को **शुभ विचार संस्था जयपुर** द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण सम्मान दिया गया। **इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय युवा जादूगर आंचल, प्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री गुलाबो सपेरा सहित कुछ महिलाओं को अपनी सफलता की यात्रा में आए**

संघर्ष के अनुभव को अनटोल्ड स्टोरी बिहाइंड द सक्सेस में साझा करने के लिए विशेष मेहमानों के रूप में शामिल किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश गोवर्धन बाढधार, राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव डॉ. के. के. पाठक, राजस्थान पर्यटन के जोइंट डायरेक्टर आनंद त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

-**गिरधारी कुमावत,** डायरेक्टर, आंचल मैजिक शो

नरेश कुमावत को 'राजस्थान गौरव' सम्मान

श्री मातु राम कुमावत निवासी पिलानी के पुत्र श्री नरेश कुमावत को 7 फरवरी का होटल ग्रैंड उनियारा गार्डन में 'राजस्थान गौरव' सम्मान से नवाजा गया है। आप देश विदेश में विशाल मूर्तियों के स्थापत्य व डिजाइन के लिए जाने जाते है। इस क्षेत्र में आपके उल्लेखनीय योगदान के लिये यह सम्मान दिया गया है।

राजस्थान के पिलानी के निवासी श्री मातु राम कुमावत आपके पिता हैं जिनके तथा आपके द्वारा पुणे-मुम्बई ओल्ड हाईवे की पहाड़ी पर तेलंगाना में 72 फुट ऊंची मंगल मूर्ति मोरया की आलीशान मूर्ति स्थापित की गई है। आपको देश-विदेश में विशाल मूर्तियों की स्थापना के लिए जाना जाता है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

श्री सीताराम कुमावत जिला परिषद सदस्य, अजमेर को जिला आयोजना समिति, अजमेर में निर्विरोध निर्वाचन होने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति का अधिवेशन
नवरतन मोरवाल बने निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

28 फरवरी को बूंदी जिले के बड़ा नया गांव में आयोजित राजस्थान कुमावत युवा शक्ति की प्रदेश स्तरीय आम सभा का आयोजन संरक्षक गिरीराज खनाडिया राजसमन्द, समाजसेवी अमरचन्द कुमावत जयपुर और संस्थापक राकेश देवतवाल पुष्कर के सानिध्य में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान् श्रीरामजी के चित्र पर पुष्प माला और कुमकुम तिलक के साथ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।

निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष शिवदयाल नांगल ने सर्वप्रथम अपने तीन वर्षीय कार्यकाल में युवा शक्ति द्वारा करवाये गये कार्यों यथा राजस्थान लीडरशीप कार्यशाला, राजस्थान बिजनिस सबमिट, राजस्थान कुमावत छात्रसंघ सम्मान समारोह और ज्ञानम्-2 का लेखा-जोखा रखा।

तत्पश्चात् चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई जिसमें नावां सिटी, नागौर के नवरतन मोरवाल को सर्वसम्मति से प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। निवर्तमान पदाधिकारियों सहित वरिष्ठ समाजजनों द्वारा नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष का साफा, ईकलाई व माला पहनाकर स्वागत किया गया।

नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष नवरतन मोरवाल ने सभी समाज बन्धुओं का आभार व्यक्त करते हुए अपने हक अधिकारों के लिए समाज के युवाओं को जागरूक होने का आह्वान किया।

इस अधिवेशन में राजस्थान के अनेक जिलों से युवा शक्ति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री नवरतन मोरवाल को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई।

गजानन्द करड़वाल की स्मृति में कुर्सियां लगवाई

गत दिनों कोरोनाकाल में साँवेर निवासी पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष साँवेर के श्री गजानंद जी करड़वाल का हृदयगति रुकने अचानक स्वर्गवास हो गया था। उनकी स्मृति में उनके पुत्र कुन्दन व प्रवीण करड़वाल द्वारा श्री कृष्ण धर्मशाला के सामने व नृसिंह मंदिर के सामने 5 सीमेंट की कुर्सियां लगवाई गई है। स्वर्गीय गजानंद जी एक किसान परिवार में जन्मे, एक सफल व्यापारी व एक राजनेता के रूप में समाज की कई प्रकार से सेवा करते थे। इनकी मिलनसारिता के कारण ये नगर परिषद में लगातार पार्षद के साथ 10 वर्षों तक नगर परिषद उपाध्यक्ष पद भी रहे तथा 2010 से 2015 तक नगर परिषद के अध्यक्ष रहे। आप 5 वर्ष तक सेवा सहकारी संस्था साँवेर के उपाध्यक्ष पद पर भी रहे। कोरोनाकाल में भी इन्होंने जनता की सेवा की। श्री कृष्ण धर्मशाला में भी इनकी ओर ट्यूबवैल मोटर व पानी की टंकी का निर्माण किया गया था।

चौमूं में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पार्षद महेन्द्र ने सौंपा ज्ञापन

चौमूं शहर के थाना मोड़ चौराहे तथा मोरीजा रोड तिराहे पर आए दिन लगने वाले जाम तथा बिगड़ती यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के लिए चौमूं के जुझारू पार्षद महेन्द्र कुमावत ने उपखण्ड अधिकारी अभिषेक सुराणा को ज्ञापन सौंपा जिसमें अतिरिक्त पुलिसकर्मी लगाने की मांग की गई है। चौमूं 90 हजार की आबादी वाला शहर है व नेशनल हाईवे से जुड़ा हुआ है। शहर में केवल तीन यातायात कर्मी हैं जो पर्याप्त नहीं हैं। कोरोनो काल से पहले यातायात व्यवस्था के लिए होम गार्ड भी तैनात थे जिन्हें हटा लिया गया था। अंधाधुंध स्पीड से दौड़ रहे वाहनों एवं यातायात के नियमों का खुलेआम उल्लंघन होने से आमजन को दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

श्री महेन्द्र कुमावत की पहल का समाजजनों ने स्वागत किया है। जनता के प्रतिनिधियों को जनता की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष उठाते रहना चाहिए तब ही व्यवस्था में सुधार होना संभव है।

श्री कैलाश रेणवाल जिला प्रमुख बने

श्री कैलाश जी रेणवाल बजरंग दल गोरक्षा में पाली जिला प्रमुख पद पर अपनी सेवा दे रहे है। आप गोरक्षा में बहुत ही सराहनीय 24×7 सेवा दी है। आपने श्री राम मंदिर निर्माण में अपने वार्ड से अपने बन्धुओ के साथ घर-घर जाकर 29 लाख रुपये निर्माण में भिजवाए। आपकी उम्र 20 वर्ष को देखते हुए सराहनीय कार्य किए हैं।

आपके हौसले के आगे उम्र भी आड़े नही आई। युवा आपसे प्रेरणा लेकर ऊर्जावान होते हैं। विकास में युवाओं की भागीदारी जरूरी है। श्री श्रवण जी नोखवाल जी ने मेरा भी हौंसला बढ़ाया।

आपने लव जिहाद के चक्कर में पड़ी तीन बालिकाओं को अपने घर वापस भिजवाया। आपने जरूरत मंदों को ब्लड भी उपलब्ध करवाया।

आप हमारे समाज के जागरूक युवा कार्यकर्ता है एवं गरीब परिवारों के 20 बच्चों की शादी में घरेलू सामान का सहयोग दिया है। आपने गौ तस्करों से गौ-माता को मुक्त करवाया।

अपने गांव के गरीब परिवारों बच्चों के पढ़ाई में सहयोग किया। आपका कहना है कि सेवा क्षेत्र ऐसा क्षेत्र है जिसमे आप जितना कार्य करेंगे विरोध उतना ही झेलना होगा। किन्तु ध्यान रखें विरोध भले ही हो पर विनाश नहीं होना चाहिए।

-प्रभुदयाल तुंगरिया
BJP किशनगढ़ मंडल मंत्री मदनगंज किशनगढ़ अजमेर

सावित्री फाउंडेशन द्वारा विधवाओं को आर्थिक अनुदान

सावित्री फाउंडेशन द्वारा श्री माधोपुर में 32 विधवाओं को छोटी देवी विधवा अनुदान सहायता राशि के तहत प्रत्येक को रु. 5000 आर्थिक दी। साथ ही राजकीय विद्यालयों में तीनों संकायों में टॉपर्स कुल 35 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र दिया गया।

सावित्री फाउंडेशन ने अब तक 11 कार्यक्रमों में 18 लाख रुपए से अधिक की सहायता व प्रोत्साहन राशि दी गई है, जिसमें 330 विधवाओं को एवं 275 विद्यार्थियों को सहायात दी जा चुकी है। सावित्री फाउण्डेशन की स्थापना श्री रामसहाय वर्मा (से.नि. मुख्य सचिव, हरियाणा) द्वारा की है, उनका कहना है कि प्रतिभाओं को तराशने व प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है जिससे ये प्रतिभाएं देश के नवनिर्माण में योगदान कर पायेगी।

'हुनर' में तितिक्षा कुमावत का द्वितीय स्थान

चित्रकला प्रतियोगिता 'हुनर' का 16 मार्च को परिणाम घोषित हुआ जिसमें फुलेरा की 8वीं कक्षा की छात्रा तितिक्षा कुमावत को द्वितीय स्थान मिला जिसमें पुरस्कार स्वरूप टेबलेट एवं प्रशस्ती पत्र दिया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को लेटटॉप दिया गया था। प्रतियोगिता में तितिक्षा को द्वितीय स्थान मिलने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

सुनील कुमावत नेहरू युवा केन्द्र संगठन के सदस्य

जयपुर निवासी श्री सुनील कुमावत को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नेहरू युवा केन्द्र संगठन की सलेक्शन कमेटी में सदस्य मनोनीत किया गया है। इस अहम जिम्मेदारी दिए जाने पर कुमावत समाज में खुशी की लहर है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका सुनील कुमावत को इस पद पर मनोनीत होने के लिए बधाई देती है।

प्रशान्त म्यूजिक क्लासेज की वेबसाईट का विमोचन

प्रशान्त म्यूजिक क्लासेज, श्योपुर रोड़, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर के संचालक प्रशान्त अजमेरा ने बताया कि प्रशान्त म्यूज़िक क्लासेज की वेबसाईट http://prashantmusic.com का विमोचन, टोंक के मूल निवासी अजमेरा परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री चन्द्र प्रकाश अजमेरा (कुमावत इण्डिया पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल के सदस्य) हाल निवासी मालवीय नगर, जयपुर के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री अजमेरा नें संस्थान द्वारा दी जा रही संगीत की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सराहना करते हुए संस्थान की उत्तरोत्तर प्रगति की मंगल कामना की। इस संस्थान द्वारा ऑफलाईन के साथ ही ऑनलाईन माध्यम से भी संगीत की शिक्षा प्रदान की जा रही है।

हेमचन्द बोरा सांवेर अभिभाषक चुनाव में निर्वाचित

10 मार्च 2021 को साँवेर जिला इंदौर मध्यप्रदेश में अभिभाषक संघ के चुनाव सम्पन्न हुये। जिसमें कुमावत हेमचन्द्र बोरा, सचिन कारवाल, कुलदीप मेरावण्डिया, श्यामधन मुंडेल कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए। इनकी इस सफलता पर कुमावत समाज के युवाओं ने नगर में जुलूस निकालकर इनका सम्मान किया। नेमीचंद कारवाल, सुनील धनेरिया, सुनिल ओस्तवाल, कुन्दन कुमावत पंकज कारवाल, आनंद कुमावत,आदि समस्त समाजजनों द्वारा इनको बधाई शुभकामनाएं देते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामनायें की गई।

आर्टिस्ट पृथ्वीराज कुमावत द्वारा 14 फरवरी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक स्थल धनक्या रेलवे स्टेशन जयपुर में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम जी बिरला को अपनी कलाकृति भेट की जिसकी लोकसभाध्यक्ष ने सराहना की है।

स्मृति शेष

स्व. मोहरी देवी (105 वर्षीय)

सरोड़ियों की ढाणी, दहमीकलां बगरू निवासी श्रीमती मोहरी देवी का 21 जनवरी, 2021 को स्वर्गवास हो गया। आपने जीवन के 105 बसंत देखें हैं। आपके पति स्व. श्री घासीराम जी सरोड़िया थे। आपके परिवार में श्री हेमचन्द जी सरोड़िया (देवर) तथा पुत्रों में स्व. जयराम जी (सरपंच ग्राम पंचायत दहमीकलां, वर्ष 1981-88), गोपाल लाल, रामनिवास (से.नि. RSRTC तथा सदस्य पंचायत समिति सांगानेर 1995-2000), हरिशचन्द (से.नि. RSRTC), सीताराम सरोड़िया तथा श्यामलाल सरोड़िया हैं। आपकी चार बहनें हैं तथा उनमें आप सबसे बड़ी थीं। आपके 16 पौत्र व 18 पौत्रियां हैं जिनमें से पौत्र कैलाश कुमावत वर्तमान में पंचायत समिति, सांगानेर के प्रधान हैं। आपके पिता स्व. गणेशराम जी गैदर निवासी आसलपुर, जयपुर थे।

आप मधुर स्वभाव एवं धर्मपरायण महिला थी तथा पूरे परिवार को साथ लेकर चलती थीं। आपके निधन से कुमावत समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। इनके देवलोक गमन का समाचार जानकर श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान दहमीबालाजी, दहमीकलां, अजमेर रोड, बगरू इत्यादि संस्थाओं ने शोक व्यक्त किया है तथा ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे आपको अपने चरणों में स्थान दें। **'कुमावत इंडिया'** परिवार की ओर से स्व. मोहरी देवी को सादर श्रद्धांजलि।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उ.पू. जोन चुनाव अनियमिताओं से मनोहर कुमावत व्यथित

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उ.पू. जोन चुनाव प्रक्रिया शायद कोविड-19 से रुकी हुई है। इन चुनावों की मतदाता सूची में अनेक गलतियां होना श्री मनोहर कुमावत (निराणिया) निवासी झोटवाड़ा, जयपुर ने इंगित की है तथा बताया है कि उनका नाम झोटवाड़ा के बजाए सांगानेर क्षेत्र में डाल दिया गया है। श्री मनोहर झोटवाड़ा क्षेत्र से पहले वर्ष 1998, 2003 व 2010 में प्रत्याशी रह चुके हैं। उनका कहना है कि उन्होंने अपना निवास परिवर्तन का आग्रह नहीं किया है, फिर भी उनका नाम सांगानेर क्षेत्र में डाल दिया है। प्रथमदृष्टया श्री मनोहर की अपील (जो इस पत्रिका में प्रकाशित हुई है) सही लग रही है।

महासभा के चुनाव अधिकारियों को इस गलती को दुरुस्त करने पर विचार करना चाहिए तथा मुख्य समन्वयक श्री जी.एस. टाक साहब को भी इस मामले को देखकर समाधान करना चाहिए। जिससे समाज में अच्छा संदेश जायेगा, पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट हो सकेंगे एवं चुनाव से सीधे-सीधे जुड़े अधिकारियों पर भी समाज का विश्वास बढ़ेगा।

मोनिका कुमावत (पटेल) का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन

मोनिका कुमावत का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में दक्षिण अफ्रीका के विरूद्ध होने वाली श्रृंखला के लिए चयन हुआ है। जिससे पूरे कुमावत समाज में खुशी की लहर व्याप्त है। श्रृंखला में 5 वन-डे एवं 3 टी-20 क्रिकेट मैच खेले जायेंगे। मोनिका कुमावत जैतारण तहसील के खेड़ा रामगढ़ गाँव के बेरा छालरिया तहसील की निवासी है।

मोनिका के घर में पिता छैलाराम, माँ ममता कुमावत भाई देवेन्द्र हैं। मोनिका के पिता छैलाराम पटेल बैंगलुरू में इलेक्ट्रिक की दुकान चलाते है। भाई देवेन्द्र पिता के साथ व्यवसाय में सहयोग करते हैं। मोनिका कुमावत के पिता छैलाराम पटेल ने बताया कि उनके परिवार का पूर्व में किसी का भी क्रिकेट से जुड़ाव नहीं था। बेटी मोनिका बैंगलुरू में बी.ए. सैकेंड ईयर में अध्ययनरत है। मोनिका का बचपन से क्रिकेट के प्रति लगाव था। जिस मकान में वे किराये पर रहते थे उस मकान के मालिक का बेटा कर्नाटक क्रिकेट टीम में खेलता था। उसने ही क्रिकेट की जानकारी दी। उसके बाद उसके भाई देवेन्द्र ने राहुल क्रिकेट एकेडमी में प्रशिक्षण के लिए भेजा। उसके बाद मोनिका ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। कड़ी मेहनत व अपनी काबिलियत के दम पर भारतीय क्रिकेट टीम में बॉलर के रूप में चयन हुआ। मोनिका कुमावत ने बताया कि मेहनत व लगन से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है।

मोनिका कुमावत का वन डे व टी-20 दोनों में चयन-दक्षिण अफ्रीका के विरूद्ध होने वाली वन डे व टी-20 दोनों में मोनिका कुमावत का चयन हुआ है। वनडे टीम की कप्तान मितालीराज व टी-20 की कप्तान हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

15 मार्च फुलेरा दौज को भन्दे के बालाजी में कुमावत क्षत्रिय समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ जिसमें 31 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। भन्दे बालाजी में प्रतिवर्ष फुलेरा दौज को यह आयोजन विवाह समिति द्वारा किया जाता है। इस सम्मेलन में श्री दिलीप कुमावत एवं श्री भंवरलाल कुमावत की ओर से नि:शुल्क चिकित्सा सेवा का कैम्प लगाया गया जिसका अनेक समाज बंधुओं ने लाभ उठाया।

टीम चेतन धुंधारिया का स्थापना दिवस

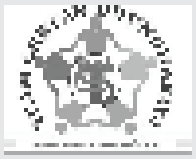

जयपुर। टीम चेतन धुंधारिया का गठन कोविड-19 वैश्विक महामारी के समय जब सम्पूर्ण देश में लॉकडाउन लगा हुआ था की विषम परिस्थितियों में हुआ, तब से आज तक टीम अनवरत कार्य कर रही है। टीम के गठन को 13 अप्रैल 2021 को एक वर्ष पूर्ण होने जा रहा है।

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने बताया कि टीम का स्थापना दिवस 13 अप्रैल 2021 को मनाया जायेगा। टीम सदस्यों की एक मीटिंग दिनांक 21.3.21 को टीम कार्यालय पर हुई। जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। अंत में टीम के संस्थापक चेतन धुंधारिया ने टीम के सदस्यों व समाजबंधुओं को धन्यवाद दिया और कहा कि ये आप लोगों आशीर्वाद, आप लोगों का प्यार है और साथ ही उस पिता परमेश्वर का आदेश है जिसको मैं और मेरी पूरी टीम यथा संभव प्रयास कर पूर्ण करने की कोशिश कर रहे हैं तथा यह भी अपील की कि कोरोना की जंग अभी अधूरी है। होली का त्योंहार नजदीक है। घर पर रहकर ही होली का त्योंहार मनायें, प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाईन की पालना करें और सबसे ज्यादा जरूरी है 2 गज दूरी बनाये रखें, भीड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें व मास्क का प्रयोग करें।

जयसिंह गुडीवाल, प्रवक्ता टीम चेतन धुंधारिया,
मो. 9461343432

टीम चेतन धुंधारिया व श्री श्याम सेवक परिवार द्वारा

भजन संध्या ''एक शाम श्याम साँवरे के नाम'' भजन संध्या का आयोजन

टीम चेतन धुंधारिया व श्री श्याम सेवक परिवार, जयपुर द्वारा विशाल भजन संध्या ''एक शाम श्याम साँवरे के नाम'' का आयोजन झटपट बालाजी का मंदिर, सोडाला, जयपुर में किया गया। कार्यक्रम संयोजक वन्दना फ्लावर्स के शंकरलाल बालोदिया द्वारा देश-विदेश से मंगवाये पुष्पों से श्याम बाबा का श्रृंगार किया गया।

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में अखण्ड ज्योत के बड़ी संख्या में पहुँचे भक्तों ने दर्शन किये व सौभाग्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान इत्र व सुगंधित पुष्प और रंग-बिरंगी गुलाल उड़ाई गई। जिसका नाचते गाते भक्तों ने आनन्द लिया व श्याम बाबा को छप्पन भोग भी लगाया गया।

कार्यक्रम में श्याम बाबा का आशीर्वाद लेने के लिए राजस्थान सरकार के परिवहन मंत्री व सिविल लाईंस विधायक प्रतापसिंह खाचरियावास, पूर्व मंत्री व विधायक अरूण चतुर्वेदी, अर्चना शर्मा, ग्राम जाहोता के सरपंच श्याम प्रताप सिंह राठौड, स्थानीय पार्षद राहुल शर्मा, राजेश धुंधारिया व राजेश बालोदिया, ढूँडाड परिषद के अध्यक्ष विजयपाल कुमावत एवं कुमावत समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं गणमान्य बंधु दरबार में पहुँचे।

प्रसिद्ध श्याम भजन गायक चंग धमाल किंग मनीष गर्ग, जनक गर्ग, रेहांश गर्ग व उनकी पार्टी द्वारा चंग धमाल प्रस्तुत किया गया। भटिंडा पंजाब से आई इति वर्मा राजपूत ने अपने श्याम भजनों से उपस्थित भक्तों का मन मोह लिया। मोहन कुमार बालोदिया (डायमंड आर्केस्ट्रा), पवन खण्डेलवाल, महेश परमार, अमित नामा व जगमोहन शर्मा ने भी अपने मनमोहक भजनों से बाबा के दरबार में हाजरी लगाई। पधारे हुए सभी श्याम भक्तों का टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत ने आभार व्यक्त किया।

-टीम चेतन धुंधारिया

टाँक (क्षत्रिय कुमावत) मेवाड़ का इतिहास पुस्तक का विमोचन

श्री मदन मोहन टांक द्वारा लिखित पुस्तक ''टाँक (क्षत्रिय कुमावत) मेवाड़ का इतिहास'' का विमोचन वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. के.एस. गुप्ता, डॉ. गिरिश माथुर, डॉ. राजेन्द्र नाथ एवं उदयपुर के महापौर माननीय गोविन्द सिंह टाँक द्वारा ज्योति विद्यालय में किया गया।

पुस्तक में वर्णित है कि स्वतंत्रता सेनानी व जरूरत पड़ने पर समाज व देश हित में टाँक समर्पण देने वाली जाति है। जिसका इतिहास 12वीं शताब्दी से मिलता है। इस जाति द्वारा पहले पश्चिमी राजस्थान में जल संग्रह के लिए टाँके बनाने वालों के नाम पर टाँक पड़ा। इन्होंने चित्तौड़ के विजय स्तम्भ, उदयपुर के सज्जनगढ़, महाराणा भूपाल कॉलेज व अस्पताल एवं प्रताप गौरव केन्द्र के निर्माण में महत्ती भूमिका अदा की है।

कुमावतों द्वारा राज सिंह काल में राजसमन्द दयालशाह का किला द्वारका धिश मन्दिर आदि का निर्माण किया गया । 1857 की क्रान्ति में ताँत्या टोपे का साथ देकर रत्ना जी टाँक ने कुमावतों को साथ लेकर अंग्रेजों से युद्ध किया कुमावत केवल कृषक अथवा कारीगर ही नहीं बल्कि समाज व देश हित में तलवार भी उठा सकते हैं। ताँत्या टोपे को 9 दिन तक कुमावतों के गावों में रखा व महाराणा व अंग्रेजों की सेना से युद्ध कर ताँत्या को सुरक्षित मेवाड़ से झालावाड़ भेज दिया।

वर्ष 1875 में बनास में बाढ़ आई , उस से फसल बह गई व खेत ख़राब ख़राब हो गये , तब सभी कुमावत व अन्य कृषक रत्ना जी के पास आये व लगान देने में असमर्थता व्यक्त की । रत्ना जी ने सभी को भरोसा दिलाया की वे महाराणा से बात करेंगे और लगान माफ़ करवायेंगे। पर लगान माफ नहीं हो पाया। तब रत्ना जी टाँक (कुमावत) ने सभी कृषकों को बुलाकर 26 माँगो का माँग पत्र रेलमगरा माल हाकिम को दिया कि हमारी ये माँगे नहीं मानी तो लगभग 10000 कृषक अपने परिवार सहित 22 नवम्बर 1875 को मेवाड़ छोड़ कर मालवा चले जायेंगे। माँगे नहीं मानी गईं तो सभी कृषक लाव-लश्कर लेकर मालवा के लिये रवाना हो गये। तत्पश्चात् मांगे मान ली गईं। इस प्रकार कुमावतों का यह ऐतिहासिक किसान आंदोलन सफल हुआ।

इस प्रकार क्षत्रिय कुमावत समाज न केवल कृषक अथवा आर्टीजन रहा है अपितु जहां जरूरत पड़ी वहां समाज व देश हित में पीछे नहीं रहा है।

मुहूर्त अनुसार विवाह नहीं करने के परिणाम

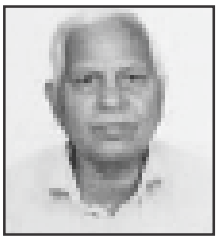

वर्तमान युग नई पीढ़ी का है, लोग ऐसा कहते हैं। किन्तु नई पीढ़ी, समाज के संस्कारों को नहीं मानती। इनका रहन-सहन, तौर तरीका विपरीत ही होता है। परन्तु बुजुर्गों के आशीर्वाद से हम सभी फल-फूल रहे हैं, क्या यह बात सत्य है ? यदि हाँ तो अन्य बातों पर भी यकीन करना चाहिए।

हमारे देश में लड़का-लड़की 21 तथा 18 वर्ष की उम्र पश्चात् विवाह योग्य मान लिया जाता है। कानून के अनुसार भी विवाह की यही उम्र है। इसी उम्र के बाद हम सर्वप्रथम लड़का-लड़की का रिश्ता देखते हैं तथा पसन्द आने पर गणजोड़ मिलाते हैं। इसके बाद शादी की बात आगे बढ़ती है। प्राय: यह सुनने में आता है कि उस शादी में तो गणजोड़ बहुत अच्छे मिले थे किन्तु अच्छे गुणजोड़ मिलने के बाद भी सम्बन्ध विच्छेद हो गया। इसके लिए हम गुणजोड़ को ही दोष देते हैं। आईये, बताते हैं कि इसके क्या कारण रहे:-

(1) विवाह सम्बन्ध तय होते ही हम पंडित जी से विवाह के मुहूर्त जैसे लग्न, विनायक स्थापना, चाक पूजन, भात, घुड़चढ़ी, बारात प्रस्थान, तोरण, फेरों आदि का मुहूर्त निकलवाकर एक पर्ची बनवा लेते हैं। इस सम्बन्ध में पंडित जी शादी-समारोह में समय का ध्यान रखने का निर्देश देते हैं और कहते हैं कि इसके बाद आगे शुभ मुहुर्त नहीं है।

(2)कई बार परिस्थितियों के कारण मुहूर्त के अनुसार वैवाहिक कार्य में विलम्ब हो जाता है और हम गलती महसूस करते हुए Sorry कह देते हैं।

(3) विशेषकर पाणिग्रहण संस्कार का मुहूर्त : गोधुली बेला, रात्री 9 बजे व मध्यरात्री 12 बजे का होता है। इसमें दुल्हा-दुल्हन नियत समय पर मंडप में पहुंच जाने चाहिए किन्तु यह वर्तमान में ऐसा नहीं हो पा रहा है। जैसे गोधुली बेला का मुहूर्त दिन अस्त होने के समय का होता है। पंडित जी तो अपने निर्धारित समय पर मंडप में पहुंच जाते हैं किन्तु उस समय बाराती डांस करने, फोटो-वीडियो शूट करने में व्यस्त रहते हैं तथा मंडप में जाने का समय निकल जाता है। पंडित जी दुल्हन के पिता से दुल्हा-दुल्हन को मंडप में लाने का आग्रह करते रहते हैं कि समय निकल रहा है। किन्तु दुल्हा-दुल्हन समय पर नहीं आ पाते। ऐसे में पंडित जी को यह कहते सुना जाता है कि **''पंडित जी शादी कोई बार-बार थोड़ी होती है, बच्चे अभी आ जायेंगे।''** ऐसे में पंडित जी भला क्या करें ? ज्यादा देर होने पर पंडित जी से ही कहा जाता है कि आगे का मुहूर्त देख लो।

(4) जब दुल्हा-दुल्हन मण्डप में आते हैं तो प्राय: पंडित जी को यह कहा जाता है कि फेरे जल्दी से करवा दो, जिससे हम रातिजोगा आज ही कर पाएं। जैसे-तैसे पंडित जी फेरे निपटाते हैं जिसमें विवाह के पूर्ण मंत्रोचार भी ठीक से नहीं हो पाते। कई बार तो विलम्ब के कारण शादी 25 तारीख के बजाए 26 को सम्पन्न होती है।

(5) जब कोई अच्छा रिश्ता मिलता है किन्तु गणजोड़ नहीं मिल पाते हैं तो लड़की का नाम परिवर्तित करके गणजोड़ मिला कर शादी तय कर दी जाती है। विवाह के बाद दुल्हन को परिवर्तित नाम से ही बुलाया जाना चाहिए किन्तु प्राय: उसे पुराने नाम पर ही पुकारा/बुलाया जाता है जो उसके गणजोड़ के अनुकूल नहीं होने से दोषपूर्ण होता है।

विलम्ब के परिणाम : शादी-संस्कार मुहूर्त में नहीं करने, शादी में शार्टकट करके मंत्रोच्चार करवाने एवं दुल्हन को बाद में परिवर्तित नाम से नहीं बुलाने/पुकारने के कारण हम आपसी मनमुटाव, विवाह विच्छेद, बीमारी, नि:सन्तानता इत्यादि से ग्रसित हो जाते हैं। इसमें भला पंडित जी अथवा गणजोड़ का क्या दोष ? अत: मुर्हूत का ध्यान रखा जाये तो ठीक रहेगा।

- लालचन्द धुंधारिया, वरिष्ठ एवं सक्रिय समाज सेवी

एक उभरती संस्था

यूं तो कुमावत समाज में अनेक संस्थाएं हैं जो सामाजिक कार्य कर रही हैं,जैसे सामूहिक विवाह का आयोजन, वृक्षारोपण, मेडिकल कैंप आदि इनमें अपने पदाधिकारी भी होते हैं जिनका एक विशेष स्थान व काम भी होता है जो मिलकर एक विशेष काम को अंजाम देते हैं।किन्तु हाल ही में या यूं कहा जा सकता है कि कोरोनाकाल में एक अद्भुत संस्था ने कुमावत समाज में जन्म लिया है जिसमें ना तो कोई पदाधिकारी है, न कोई चुनावी प्रक्रिया ही हुई है लेकिन कुछ लोगों के परस्पर विचारों के मेल व सेवाभाव के चलते एक टीम बन गई है जिसका नाम है **'टीम चेतन धुंधारिया'** इस टीम का कार्य व मकसद है **बहुजन हिताय बहुजन सुखाय।** ये निसहाय जीवों के पालन पोषण से लेकर सरकारी विद्यालयों के गरीब बच्चों तक के लिए सुविधा जुटाने का काम करती है। कहीं कुछ कमी है तो उसे पाटने को यह टीम तैयार है,कुछ अच्छा होता है तो यह टीम निस्वार्थ पहुंच जाती है। यहां में अवश्य बताना चाहती हूं कि इस जिक्र के पीछे उद्देश्य यह है कि कोई भी सामाजिक संस्था सिर्फ चुनाव या उसके पद लेने तक ही सीमित नहीं रह जाएं अथवा अनर्गल हस्तक्षेप के लिए ही न बनें बल्कि उसका कार्य हो सही मायने में समाज का उद्धार। सभी मिलकर एक टीम भावना से प्रेरित होकर अपने काम करें। मैं यह भी बताना चाहूंगी कि **इस टीम में कोई छोटा बड़ा नहीं है।** विगत दिनों में दो-तीन बार इस टीम के द्वारा पूरे समाज के गणमान्य लोगों को अधिक से अधिक संख्या में एक आंगन में वो भी बिना किसी राजनैतिक भेदभाव के या गुटबाजी के एकत्रित करने का जो काम किया वह अत्यंत प्रशंसनीय कार्य है इससे सामाजिक सौहार्द की भावना को बल मिलता है और सारा समाज एक दूसरे के साथ अपने विचार व्यक्त कर सकता है। अत: हमें कुमावत समाज की एकजुटता के लिए ऐसे लोगों से अवश्य ही प्रेरणा लेनी चाहिए और एक टीम वर्क का अहम हिस्सा बनने की कोशिश करते रहना चाहिए।इस टीम के सभी सदस्यों का मनोबल हमेशा बना रहे इसी शुभकामना के साथ।

- भारती तोंदवाल, सह सम्पादक

राज्य स्टैथ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप

पवन कुमावत को गोल्ड मैडल

उदयपुर में चल रही 30वीं 'राज्य स्टैथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप' में पवन कुमावत, जयपुर ने सीनियर इन्काइन बेंच प्रेस में 85 किलो भार वर्ग मे 122.500 किलो वज़न उठाकर गोल्ड मेडल जीता है। इसी के साथ वेस्ट बंगाल व बिहार में होने जा रही 'राष्ट्रीय स्टैथ लिफ्टिग चैम्पियनशिप' में पवन कुमावत का चयन किया गया।

वेस्ट बंगाल के पूंज बिहार में में 30वीं सीनियर नेशनल सब जूनियर महिला व मास्टर वर्ग प्रतियोगिता में 48 सदस्यीय दल राजस्थान की टीम की आपको कमान भी सौंपी गई है। आपने इस प्रतियोगिता में कुल 247.500 किलो वजन उठाकर ब्रांज मेडल जीता तथा मयंक कुमावत ने दो सिलवर मैडल जीते हैं।

पवन कुमावत व मयंक कुमावत को पदक जीतने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई।

तीरंदाज हनी कुमावत का राजस्थान टीम में चयन

लालचंदपुरा, जयपुर के हनी कुमावत का अंडर 14 आयु वर्ग की राजस्थान तीरंदाजी टीम में चयन हुआ है। 9 से 14 नवम्बर 2021 को सीबीएससी आर्चरी प्रतियोगिता होगी, उसमें हनी कुमावत भाग लेंगे। आप अभी 8वीं कक्षा के विद्यार्थी है।

हनी कुमावत का राजस्थान टीम में चयन होने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

नेहा कुमावत का भारतीय टीम में चयन

पटाया थाईलैण्ड में आयोजित होने वाले टोक्यो ओलम्पिक के एशियन क्वालीफायर में भाग लेने वाली 'भारतीय टीम' में चयनित हुई है।

95 एफएम तड़का द्वारा वीमन रिकनिशन अवार्ड-2021 में 25 प्रतिभावान महिलाओं को सम्मानित किया गया जिसमें नेहा कुमावत भी सम्मिलित थी।

नेहा कुमावत को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

पायल कुमावत को 1 लाख रु. की छात्रवृति

पायल कुमावत पुत्री श्री शिव राम कुमावत, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रींगस की कक्षा 12 की छात्रा का 'मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना' में रु. 1,00,000 की छात्रवृत्ति के लिए चयन हुआ है। पायल ने शिक्षा के क्षेत्र में समाज का नाम रोशन किया है, आप पर समाज को है। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से पायल कुमावत को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की कामना।

मुस्कान कुमावत को गोल्ड मैडल दिया गया

राजस्थान विश्वविधालय के दीक्षांत समारोह में मुस्कान कुमावत को 'जर्नलिज्म एवम मॉस कम्यूनिकेशन' में वर्ष 2019 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर गोल्ड मैडल से नवाजा गया है। आप बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियंका की बड़ी बहिन है तथा स्वयं भी बैडमिंटन खिलाड़ी है। मुस्कान व उसके परिवार को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बहुत बहुत बधाई।

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में **रमेश कुमावत (गेदर)** अध्यक्ष की टीम को भारी मतों से विजयी होने पर **हार्दिक बधाई**

रामप्रकाश कुमावत (मारोठिया)

एडवोकेट, राजस्थान उच्च न्यायालय

विज्ञापन

निवास : ग्राम आकेड़ा चौड़, वाया जाहोता, रामपुरा डाबड़ी, जयपुर मो. : 9887440666

पत्रिका ग्लोबल फेस्ट 'उल्लास' में कवि बनज

राजस्थान पत्रिका के 66वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वर्चुअल कवि सम्मेलन '**उल्लास**' के समापन पर बनज कुमार 'बनज' की प्रस्तुति '**हँसता हूँ मैं आजकल इच्छा के विपरीत....**' सुनाकर मंत्रमुग्ध कर दिया।

हमारे समाज के राष्ट्रीय कवि बनज कुमार 'बनज' ने अब तक 2000 से अधिक दोहे लिखकर प्रकृति प्रेम, सामाजिक चेतना, इंसानियत एवं अध्यात्म का संदेश दिया है। इनकी कृति '**पहली पहली धूप**' को राजस्थान साहित्य अकादमी से सुमलेश जोशी पुरस्कार मिल चुका है। आप द्वारा रचित गीत '**सैड्स ऑफ लव**' में भी सुनाई देंगे।

आपका गीत संग्रह '**अंजुरी भर गीत**' मन के आलोक के भाव -लोक में बसने वाली धड़कनों का स्वर संधान है एवं विचार-शृंखला में बंधे शब्दों का सार्थक गुंजन है।

आपने देश के कौने-कौने तक कवि सम्मेलनों में अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ी है। हमें ऐसे गीतकार, दोहा सम्राट एवं गजल रचयिता पर गर्व है।

श्री कृष्ण के मंदिर के लिए भूमि समर्पित की

विजयनगर कुमावत समाज के भामाशाह श्रीमान संजय जी मुंदनिया, समाज सेवी व तेजस्वनी होटल के मालिक तथा उनके परिवारजनों ने एक आलीशान मिसाल पेश की है।

आपने अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ (Iskon) को श्री कृष्ण भगवान का मंदिर निर्माण करने के लिए विजयनगर में नये बस स्टैंड के पास डेढ़ बीघा भूमि समर्पित की है।

इनके परिवारजनों का कहना है कि श्री कृष्ण भगवान जल्दी विराजमान होकर भक्तों को आशीर्वाद व आनंद प्रदान करे।

-समाज सेवक प्रभुदयाल तुंगरिया, व्यवस्थापक, राष्ट्रीय पत्रिका कुमावत इंडिया, मदनगंज किशनगढ़

राजस्थान पत्रिका द्वारा ललिता कुमावत का सम्मान

ललिता कुमावत को राजस्थान पत्रिका के 66 वें स्थापना दिवस समारोह 14 मार्च के अवसर पर लाडनूं में आयोजित सम्मान समारोह में नगर में **योग प्रशिक्षक के रूप में विशिष्ट सेवाओं के लिए** नगरपालिका वाइस चेयरमैन मुकेश खिंची, लाडनूं ब्लॉक सीएमएचओ डॉ मूलचंद चौधरी, सीआई मुकुट बिहारी, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी मगाराम डूडी, प्रोफेसर आनंद प्रकाश त्रिपाठी व राजेश विद्रोही सम्मानित किया गया है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई।

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में

रमेश कुमावत (गैदर) अध्यक्ष एवं टीम की शानदार विजय पर

हार्दिक बधाई

चैनसुख बड़ीवाल

(आयकर एवं जीएसटी कन्सलटेन्ट)

दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड, दहमी कलां, बगरू, जयपुर मो. 9929012957, 9782292982

विज्ञापन

सचिव, श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान, दहमी बालाजी, दहमी कलां, बगरू, जयपुर

Well done Aviral

University of Cambridge, England में Ph.D. (Oct., 2020) हेतु चयन होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अविरल मारवाल

जन्म तिथि : 2 जुलाई, 1991

पौत्र स्वर्गीय श्री औंकार सिंह मारवाल, बाबा हरीशचन्द्र मार्ग, जयपुर

B. Tech-IIT, Delhi

M.Sc.- TISS (Tata Institute of Social Science)

गौत्र : मारवाल, घोड़ला, खोरानिया, खुड़िया

माता/पिता : अलका मारवाल, अनिल मारवाल, रिटायर्ड DGM, BSNL

नाना : गणेश नारायण घोड़ेला

लालकोटी, जयपुर

बहन-बहनोई

अनुकृति-विकास अनावड़िया

इन्द्रपुरी, विधानसभा, जयपुर

निवासी : A-75, जगदम्बा नगर, अजमेर रोड, जयपुर, मो.: 9413394855 ईमेल : marwalanil@gmail.com

---

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर
के चुनाव में **रमेश कुमावत (गैदर)** अध्यक्ष एवं
श्रीमती भारती तोंदवाल उपाध्यक्ष
की पूरी टीम को भारी मतों से विजयी होने पर **बधाई**

शुभेच्छु

द्वारका प्रसाद-गायत्री (चौमूं), राजेन्द्र प्रसाद-अनिता (चौमूं), ओमप्रकाश-मंजू (जयपुर),
महेन्द्र-नीलम (चौमूं) एवं समस्त कोलूगरिया परिवार
मेघावी-पारितोष जी (पुत्री-दामाद), महक (पुत्री)

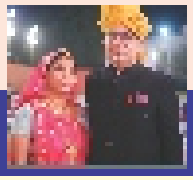

निवास : ओ.पी. कुमावत, 7/III/D, राजकीय मल्टी स्टोरी फ्लैट्स, गांधी नगर, जयपुर मो. : 9928023127
स्थाई निवास : रा.प्रा. विद्यालय के पास, राधा स्वामी बाग, चौमूं (जयपुर)

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में
रमेश कुमावत (गैदर) अध्यक्ष एवं **गौरव अजमेरा** मंत्री
की टीम को भारी मतों से विजयी होने पर **हार्दिक बधाई**

शुभेच्छु

विजय कुमारी-सुरेन्द्र नागा, जयपुर

प्रतिमा-संदीप नागा, जयपुर

सीमा-मुकेश वर्मा, मुम्बई, कविता-पंकज वर्मा, मुम्बई,
सोहिल, दर्शिता, तनिष्क, कामांक्षी, रूपल एवं नागा परिवार

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में
रमेश कुमावत (गैदर) अध्यक्ष की टीम को भारी मतों से विजयी होने पर

हार्दिक बधाई

सी.एम. कुमावत
Managing Director

CMT ARTS INDIA PVT LTD.
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound, C-Scheme, Near Ajmer Puliya, Jaipur 302 001
Tel.: +91-141-4041561 M.: 9828056063
Res.: F-31/A, Lal Bhadur Nagar- W, JLN Marg, Jaipur

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में निर्वाचित उम्मीदवारों को शानदार विजय पर **हार्दिक बधाई**

अध्यक्ष
रमेश गैदर

मंत्री
गौरव अजमेरा

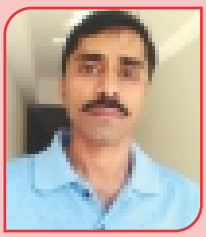
कोषाध्यक्ष
सुरेन्द्र घोड़ीवाल

उपमंत्री
सिद्धार्थ घोड़ीवाल

लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल
मोहन कुमार घोड़ीवाल
निवास : मालवीय नगर, जयपुर

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में
निर्वाचित उम्मीदवारों को शानदार विजय पर **हार्दिक बधाई**

चन्द्र प्रकाश अजमेरा, मालवीय नगर, जयपुर
लक्ष्य राज अजमेरा, प्रताप नगर, जयपुर
सुरेश अजमेरा, टोंक
सत्यनारायण नागा, लालकोठी, जयपुर

अध्यक्ष
रमेश गैदर

मंत्री
गौरव अजमेरा

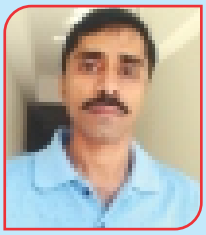
कोषाध्यक्ष
सुरेन्द्र घोड़ीवाल

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में
रमेश कुमावत (गैदर) अध्यक्ष की टीम को भारी मतों से विजयी
होने पर **हार्दिक बधाई**

महेश चन्द कुमावत
190 ए, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
फर्म : हनी प्लास्टिक्स एण्ड गिफ्ट

घरेलू प्लास्टिक आईटम्स, गिफ्ट, खिलौने, क्रॉकरी आदि के विक्रेता

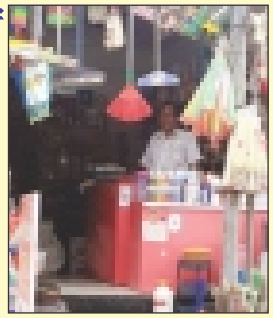

महाराणा प्रताप स्कूल के पास, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर मो. 9509344684, 9828118789

भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति

हमारा समाज पितृ सत्तात्मक समाज रहा है जिसमें जिसमें स्त्रियों का दर्जा दोयम रहा है। किन्तु प्राचीन काल में स्त्रियों को देवी स्वरूपा माना गया, स्त्रियां तब वेद शास्त्रों की ज्ञाता होती थी तथा उनका मान सम्मान पुरुषों से कम नहीं अपितु बराबर था। जैसा ऋग्वद व उपनिषदों में उल्लेखित है तथा गार्गी व मैत्रेयी नामक स्त्रियां इसका उदाहरण हैं। तब शिक्षित होने के बाद युवतियां वयस्क होने पर स्वयंवर में पति का चुनाव स्वयं करती थी। इससे तत्समय स्त्रियों की उच्च स्थिति ज्ञात होती है। पुराणों में पार्वती, लक्ष्मी एवं सरस्वती की स्थिति शिव, विष्णु व ब्रह्मा आदि देवताओं से कम नहीं थी। महिलाओं को धार्मिक प्रवचनों, अनुष्ठानों आदि का पूर्ण अधिकार था वे सार्वजनिक सभाओं में भाग लेती थी। महिलाएं छोटे-मोटे व्यवसाय भी करती थी। नारियों ने घर व बाहर सम्मानजनक स्थान बनाया था।

रामायण व महाभारत में स्त्री को धर्म, सुख और समृद्धि के रूप में चित्रित किया गया है। रामायण में सीता को उच्च स्थान दिया गया है वहीं महाभारत में रुकमणी, सत्यभामा, द्रोपदी, कुंती व गांधारी को महत्व दिया गया था।

मौर्यकाल में अशोक की पुत्री संघमित्रा बौध धर्म के प्रचार करने देश-विदेश जाती थी। महिलाएं सामाजिक-सांस्कृतिक सेवाओं व गतिविधियों में भाग लेने को स्वतंत्र थीं।

मनुस्मृति के बाद महिलाओं की शिक्षा व क्षमताओं पर प्रतिबन्धों की शुरुआत हुई, बाल विवाह भी होने लगे एवं पति को भगवान का दर्जा दिया जाने लगा। पर्दा प्रथा की प्रारम्भिक अवस्था आयी, विधवा पुनर्विववाह को नाजायज घाषित किया गया व सती प्रथा बढ़ी। महिलाओं को अपवित्र मानना प्रारम्भ हुआ तथा उनके लिए तपस्या व तीर्थयात्रा को निषेध कर दिया गया। उन्हें सम्पत्ति से भी वंचित कर दिया गया। बेटियों व स्त्रियों के पिता, पति व बेटों के संरक्षण के अधीन किया तथा उनकी स्वतंत्रता को खत्म कर दिया एवं उनके लिए कई नियम बना कर उनकी स्वतंत्रता को सीमित कर दिया गया। भारत के कुछ हिस्सों में देवदासी प्रथा थी जहां इनकी स्थिति में गिरावट आयी।

6वीं शताब्दी में बहु विवाह प्रथा तथा भारत में आक्रांताओं के समय पर्दाप्रथा व बाल विवाह ने स्त्रियों की स्थिति को और खराब कर दिया। पर इस काल में भी शिवाजी की माँ जीजाबाई, रानी पद्मिनी, महारानी दुर्गावती, भक्ति आंदोलन की कवयित्री व संत मीराबाई ने अपना प्रभाव भारतीय समाज पर छोड़ा। जब **अंग्रेजी शासन** आया तो उसे उखाड़ फेंकने के प्रयास में रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी महत्ती छाप छोड़ी। धीरे-धीरे जौहर, सती, देवदासी प्रथाएं समाप्त कर दी गईं परन्तु पर्दा प्रथा आज तक भी भारत में प्रचलित है। इस कारण महिलाएं शिक्षा, समाज उत्थान व राजनीति में पिछड़ गई।

किंतु राजा राममोहन राय, ईश्वर चन्द विद्या सागर ज्योतिबा फूले, पं. रमा बाई के प्रयासां से स्त्रियों की सामाजिक दशा में सुधार हुए। भारत की आजादी की लड़ाई में भीकाजी कामा, डॉ. एनी बिसेन्ट, विजय लक्ष्मी पण्डित, राजकुमारी अमृता कौर, सुचेता कृपलानी, लक्ष्मी सहगल, सरोजनी नायडू जैसी महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

स्वतंत्र भारत के संविधान में स्त्रियों को भी पुरुषों के समान अधिकार दिये हैं तथा राज्य द्वारा अब कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता है। इससे **महिलाओं को अवसर की समानता, समान कार्य के लिए समान वेतन, अपमानजनक प्रथाओं का त्याग व स्वतंत्रता की गारन्टी दी गई है।** अब विववाह की न्यूनतम आयु निर्धारित है व महिला साक्षरता व स्वास्थ्य पर ध्यान दिया गया है। कन्याभ्रूण हत्या व लिंग भेद गैर कानूनी है। महिलाओं को प्रसूति अवकाश व सहायता के प्रावधान हैं। महिलाओं के विरुद्ध अपराध को रोकने के लिए विशेष कानूनी प्रावधान हैं। महिलाओं को राजनैतिक संस्थाओं व नौकरियों में आरक्षण दिया गया है। इससे महिलाआं में साक्षरता, जागरूकता व स्वास्थ्य के प्रति चेतना जागृत हुई है। अब महिलाएं उच्च पदों पर आसीन भी हुई हैं। कानूनी रूप से महिलाओं को पैतृक सम्पत्ति में अधिकार दिए गए हैं।

किन्तु फिर भी स्कूलों में बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय तक लक्ष्य हासिल नहीं हुआ जहाँ शौचालय है वे उपयोग योग्य नहीं हैं। ग्रामीण भारत में अधिकांश कृषि श्रमिक महिलाएं हैं वहीं दुग्ध उत्पादन में भी महिलाएं आगे हैं। शहरों में भवन निर्माण श्रमिकों में महिलाएं कार्यरत हैं। पर महिलाओं की मजदूरी पुरुषों से कम है।

आज अनेक क्षेत्रों में महिलाओं ने नाम कमाया है जैसे श्री महिला गृह उद्योग (लिज्जत पापड़) तथा बाड़मेर की रूमा देवी ने कशीदाकारी (फैशन डिजाइनर) ने अनेक महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाकर 22000 महिलाओं को जोड़ा उन्हें घरों की चारदीवारी से निकाल कर प्रतिभा से आगे बढ़ाकर देश-विदेश में पहुंचाया। इससे उन्हें **'नारी शक्ति'** सम्मान मिला।

महिलाएं अभी भी कुपोषण, एनीमिया, घरेलू हिंसा व यौन अपराध की शिकार हैं। दहेज के दानव से अनेक महिलाओं पर अत्याचार हुए हैं पर अब बदलाव हो रहा है। भारत में हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। खेल, राजनीति, समाज सेवा, उद्योग व्यापार म्रें महिलाआएं अपना स्थान बना चुकी हैं।

कुमावत समाज में जादूगर परी आंचल कुमावत, बैडमिंटन परी प्रियंका कुमावत, वेटलिफ्टर आशा कुमावत, कियाकिंग खिलाड़ी नेहा कुमावत, क्रिकेटर मोनिका कुमावत, बालीवाल खिलाड़ी कल्पना कुमावत, तीरन्दाज खुशी कुमावत, महिला उद्यमी पूनम कुमावत, राजनीति में मधु कुमावत, RPS प्रियंका कुमावत आदि ने महिला उत्थान में समाज को राह दिखाई है। निश्चित ही इस क्रम को कुमावत समाज की महिलाएं आगे बढ़ायेंगी। किन्तु **हमारे पितृसत्ता समाज को भी अहभाव**

त्यागकर महिलाओं को आगे बढ़ाना होगा। महिलाओं को स्वयं भी अपने अधिकारों के लिए जागरूक होना होगा। महिलाएं उच्च शिक्षा लें, स्वयं को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनें जिससे अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए पति पर निर्भर नहीं रहें। कुछ महिलाएं बच्चों, रिश्ते व परिवार के बचाव के कारण मानसिक व शारीरिक हिंसा को भी सहन कर जाती हैं। इसका विरोध करने की शक्ति उन्हें स्वयं जुटानी होगी अन्यथा यह क्रम बढ़ता जाता है। **हम हमारी बच्चियां को मानसिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर शुरू से ध्यान दें व 'कुछ तो सहन करना होगा'** की प्रवृत्ति से बाहर आयें। कल हमारी बच्चियाँ किसी के घर की बहुत बनेगी तो वह उस घर में मानसिक व शारीरिक हिंसा की शिकार नहीं बन पाये। यहीं अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संदेश हैं।

महिलाओं को प्रतिदिन व्यवहारिक सम्मान दें

8 मार्च का दिन सम्पूर्ण विश्व में महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पूरे भारत वर्ष में अनेक समारोहों का आयोजन किया जाता है जिनमें महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उनके अनुकरणीय, साहसिक व प्रशंसनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाता है। इसके अतिरिक्त अनेक सांस्कृतिक तथा सामाजिक, कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा अनेक सेवाओं में महिलाओं को इस अवसर पर विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। समाचार पत्रों, रेडियो व टेलीविजन की विषय वस्तु विशेष कर महिलाएं ही होती हैं। महिलाओं को भी इस दिन सिर्फ 'उनके' सम्मान के लिए निहित किया गया है। **मगर सवाल यह है कि महिलाओं के सम्मान के लिए क्या केवल एक दिन ही पर्याप्त है? नारी अस्तित्व के सम्मान को सिर्फ एक दिन का ढकोसला बनाकर उसे एक त्यौहार का रूप दे देना क्या उचित और काफी है?** इस बात पर लोगों के मन में निश्चित रूप से यह प्रतिक्रिया उठेगी कि तो क्या फिर प्रतिदिन महिलाओं की महिमा का गुणगान करें? तो इसकी आवश्यकता नहीं है। महिलाएं अपने दायित्वों का निर्वाह किसी गुणगान की अपेक्षा से नहीं करती। इसलिए उनका गुणगान नहीं अपितु सम्मान करें। उन्हें एक दिन का दिखावटी सम्मान नहीं बल्कि प्रतिदिन व्यवहारिक सम्मान दें। किताबों में या समारोहों में सैद्धान्तिक सम्मान देने के साथ ही हृदय में उनके प्रति आदर का भाव रखिए। अब बात जब महिला सम्मान व सुरक्षा की आती है तो हमारी अंगुली एक बार फिर सरकार, प्रशासन तथा संस्थाओं की ओर उठती है कि महिलाओं को सुरक्षा देना तो सरकार का कार्य है या उनकी स्थिति में सुधार हेतु नीतियां बनाने का उत्तरदायित्व तो प्रशासन का है। इसमें हम क्या कर सकते हैं? तो ये कोई जंग नहीं है जिसे सिर्फ सरकार ही लड़ेगी। ये हम सबका मौलिक दायित्व व जिम्मेदारी है। **सरकार ने तो अनेकों नीतियाँ महिलाओं की सेवा, सुरक्षा, शिक्षा, विकास तथा उत्थान हेतु बनायी है तथा उनका क्रियान्वयन भी सुचारू रूप से हो रहा है।** उनका लाभ बालिकाओं तथा महिलाओं को यथा संभव मिल भी रहा है। **आज बालिका शिक्षा, स्वरोजगार, स्वास्थ्य लाभ, निर्धन कन्याओं के विवाह, महिला आरक्षण, सरकारी तथा निजी संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं को अतिरिक्त सुविधाएं, बसों व ट्रेनों में विशेष सेवा इत्यादि।** अनेक दिशाओं में देखा जाए तो प्रत्येक क्षेत्र में आपको कहीं ना कहीं, किसी ना किसी रूप में ऐसी नीतियां व कानून अवश्य दिखायी पड़ेंगे जिनका लाभ देशभर की महिलाओं को मिल रहा है। पर क्या कभी हमने यह विचार किया है कि हम सब निजी तौर पर स्त्रियों को कितना सम्मान देते हैं? हमारे परिवार की नींव स्त्री होती है। पुरुष यदि रुपये कमाकर लाते हैं तो स्त्री उन कागज के नोटों को रोटी का रूप देती है और अन्नपूर्णा बनकर अपने परिवार का पेट भरती है। पुरुष यदि मकान बनाता है तो **स्त्री अपनी मेहनत से सजा-सवार कर उस मकान को घर का रूप देती है।** समाज का अस्तित्व स्त्री से ही संभव है। स्त्री ही परिवार को व वंश को आगे बढ़ाती है। **स्त्री के बिना घर परिवार, समाज, देश किसी का भी अस्तित्व संभव नहीं है।** ईश्वर ने सृजन की क्षमता और शक्ति सिर्फ स्त्री को दी है। स्वयं को मजबूत कहने वाला तथा बलवान और पौरुषत्व का धनी मानने वाला पुरुष जब कभी भावात्मक रूप से टूटता है या निराश होता है तो कभी माँ, कभी बहिन, कभी पत्नी तो कभी पुत्री के रूप में नारी ही उसका स्नेह संबल बनती है। सत्य तो यह है कि जब वह माँ के गर्भ से जन्म लेता है तब अपनी गर्दन का भार उठाने में भी सक्षम नहीं होता है। वह हाड़ मांस के एक लोथड़े की तरह होता है, माँ अपने कोमल हाथों से उसका लालन-पालन करती है तथा स्तनपान के रूप में अपने रक्त से सींचकर उसे अपने पैरों पर खड़ा करती है। इसीलिए अक्सर पुरुषों को दुनिया में सर्वाधिक सम्मानीय नारी के रूप में अपनी 'माँ' का सम्मान करते देखा जाता है और किया भी जाना चाहिए। यह उनका नैतिक दायित्व है। कहते हैं ना कि माता का ऋण जीवन में कभी नहीं चुकाया जा सकता। मगर वहीं जब किसी को बेईज्जत या अपमानित करना हो तो पुरुष इन्हीं रिश्तों का अपनी भाषा में गाली के रूप में इस्तेमाल करने से नहीं झिझकते। ये कैसा विरोधाभास है क्या यह शोभनीय है? कहने का तात्पर्य है कि सर्वप्रथम स्वयं को सुधारिए। **शुरुआत अपने परिवार की स्त्रियों के सम्मान से कीजिए तभी आप समाज तथा देश की स्त्रियों को सम्मान दे पाएंगे।** हर चीज की उम्मीद दूसरों से मत कीजिए, व्यवहारिक बनकर बातों को समझिये। हमें हमारे स्वयं के भीतर अनेक सुधार लाने की आवश्यकता है। अपने जीवन में प्रतिदिन की जाने वाली इन गलतियों को सुधारिए। प्रत्येक नारी का हर रूप में सम्मान कीजिए और उनकी कठोर जीवन शैली के प्रति आदर का भाव रखिए। अपने परिवार व समाज की महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने, शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने तथा स्वालम्बी होने में यथा संभव मदद कीजिए।

- उर्वशी बालोदिया

'हेमचन्द कल से आज' पुस्तक की समीक्षा

श्री हेमचन्द खड़गटा द्वारा हाल ही में अपनी आत्मकथा **'हेमचन्द कल से आज'** का विमोचन गणेश जी के मंदिर तथा दादू दयाल बगीची झोटवाड़ा में किया। इस पुस्तक में इन्होंने स्वयं द्वारा किए गए कार्यों तथा अपने परिवार की प्रशंसा की है। इसमें तो कोई संशय नहीं है कि ये वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता हैं किन्तु उनकी आत्मकथा को पढ़ने के उपरान्त अधिकांशत: इन्होंने विभिन्न कुमावत सामाजिक संस्थाओं एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के अच्छे कार्यों की प्रशंसा करनी थी उसके बजाए केवल आलोचना की है जो केवल एक पक्ष है। जहां तक मेरा ज्ञान है कोई भी व्यक्ति अपनी आत्मकथा में स्वयं के द्वारा किए गए कार्यों का निष्पक्ष लेखन करता है जिसमें स्वयं की कमियों का भी वर्णन होता है जिसका इस आत्मकथा में अभाव है। कोई भी अपनी आत्मकथा में दूसरों की आलोचना नहीं करता है। आत्मकथा स्वयं के जीवन का आईना होता है जो ओरों को सुखद लगे।

श्री हेमचन्द खड़गटा प्रथम सामूहिक विवाह समिति जयपुर, कुमावत क्षत्रिय पत्र ट्रस्ट, कुमावत जनमंगल ट्रस्ट इत्यादि संस्थाओं में उच्च पदाधिकारी रहे हैं तथा वर्तमान में कुमावत प्रगति ट्रस्ट (कुमावत इंडिया पत्रिका) से जुड़े हुए हैं। किन्तु इनमें से अधिकांश संस्थाओं की इनके द्वारा प्रतिकूल टिप्पणी करना अच्छा नहीं लगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रारम्भ की गई। श्री नागा जी को अध्यक्ष बनाया गया किन्तु उनकी अधिक आयु के कारण सभी ने उन्हें मुख्य संरक्षक तथा मुझे अध्यक्ष बनने का आग्रह किया। ट्रस्ट की मीटिंग में मुझे अध्यक्ष बनाया गया साथ ही मेरे एक वर्ष के कार्यकाल के बाद श्री खड़गटा को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। मैंने अपना एक वर्ष का कार्य कर चार्ज श्री खड़गटा को अन्तिम कार्यदिवस को सायं सौंप दिया तथा श्री रमेश कुमावत ने नए अध्यक्ष द्वारा पूरी कार्यकारिणी के अपने अनुसार गठन करने की स्वतंत्रता के तहत, सचिव पद से त्यागपत्र दे दिया। हम सभी मिलकर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को नई बुलन्दियों पर पहुंचाने में सतत रूप से पूर्ववत प्रयास करते रहे। रमेश जी ने पत्रिका प्रारम्भ होने से आज तक पत्रिका को तैयार करने में अपनी महत्ती भूमिका निभाई है इसे सभी साथी बखूबी जानते हैं। ऐसे में उनकी आलोचना भी करना क्या सही है?

कुमावत समाज के जो लोग श्री खड़गटा जी के सम्पर्क में आये वे उनके बारे में बखूबी जानते हैं कि वो कब किसको चढ़ा दें व गिरा दें। किन्तु उनके स्वभाव से वाकिफ होने के कारण सभी साथियों ने उनकी वरिष्ठा से इसे नजरअंदाज किया तथा उनके गुणों को तरजीह दी।

13 जनवरी, 2018 को समाज के खिलाड़ियों व जादूगर आंचल का प्रतिभा सम्मान समारोह सभी से सहमति लेकर श्री रमेश जी के पुत्र के रेस्टोरेंट में आयोजित हुआ जिसमें समाज के लगभग 80 वरिष्ठ/गणमान्य लोग आमंत्रित थे, जिसमें IAS, IPS, RAS, बैंक अधिकारी भी सम्मिलित थे। बिना लाभ जोड़े न्यूनतम राशि पर खाना उपलब्ध कराया गया था। स्थान, ध्वनीयंत्र, स्टेज आदि नि:शुल्क थे। समारोह लगभग 5 घंटे चला तब अन्य ग्राहकों का प्रवेश नहीं था। समारोह एवं खाने की सभी लोगों ने प्रशंसा की थी, जिसमें खड़गटा जी भी सम्मिलित थे। फिर आत्मकथा में उसका उल्लेख क्यों किया गया?

4 नवम्बर, 2018 को शिक्षा एवं राजनीतिक विशेषांक का विमोचन समारोह कुमावत स्कूल में ट्रस्ट के साथियों की इच्छा नहीं होते हुए भी श्री खड़गटा जी ने प्लान किया, जिसमें सभी ट्रस्टियों व साथियों ने आर्थिक सहयोग भी दिया। इसमें लगभग 300 लोगों के खाने की व्यवस्था थी जबकि श्री हेमचन्द जी ने स्वयं की आत्मकथा का विमोचन दादू बगीची, खातीपुरा में चन्द लोगों के बीच ही कर लिया।

हेमचन्द जी ने पिछले वर्ष 15 मार्च, 2020 होली मिलन समारोह भी जिद करके पांच्यावाला में गार्डन लेकर किया। हम सभी ने उसमें सक्रिय सहयोग दिया जिसमें 300 व्यक्तियों के लिए अल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था थी। इस समारोह में वरिष्ठ महिला उमाजी माचीवाल ने मंच से खड़गटाजी के लिए आपत्ति दर्ज कराई थी।

कुमावत इंडिया पत्रिका के सदस्य हम सभी साथियों ने बनाए हैं तथा मेरे द्वारा मेरे परिचित व्यक्ति जो झोटवाड़ा, नींदड़, चौमूं, निवारू, बगरू, सीकर, छत्तीसगढ़, दिल्ली आदि स्थानों पर थे को सदस्य बनाया तथा इन लोगों ने भी अनेक सदस्य जोड़े। जहां तक विज्ञापन का प्रश्न है मैं पत्रिका में निरन्तर स्वयं का विज्ञापन देकर सहयोग कर रहा हूँ। एक विज्ञापन मेरे द्वारा श्री राम प्रकाश जी मारोठिया एडवोकेट के साथ जाकर लाया गया हैं जो 12 माह के लिए था व 12 माह और छपा जिसका श्रेय रामप्रकाश जी को जाता है। इसी प्रकार श्री चेतन धुंधारिया का 12 माह का विज्ञापन भी लेकर आया और भी कई विज्ञापन लिए।

जहां तक कुछ लेख का प्रकाशन नहीं होने का प्रश्न है उसका निर्णय सम्पादक मण्डल लेता है जिसमें खड़गटा जी भी सदस्य हैं। अच्छे लेखक व उनके लेख का प्रकाशन किया जाता रहा है। यदाकदा कोई लेख किसी कारण से प्रकाशित नहीं होता।

समाज के एकमात्र व सम्मानीय संत श्री अकिंचन जी महाराज द्वारा 551 भागवत कथा, रामकथा एवं नानीबाई का मायरा वाचन करके एक रिकार्ड कायम किया है। इनके द्वारा बताई गई गौशालाओं में किसी व्यक्ति द्वारा सहयोग करना उसका व्यक्तिगत निर्णय होता है, इस पर किसी अन्य को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

श्री खड़गटा जी ने अपने लेख में समाज के कुछ संस्थाओं एवं व्यक्तियों के बारे में पहले भी टीका-टिप्पणी की है जिन्होंने अपनी नाराजगी जताते हुए उनपर कानूनी कार्यवाही करने की चेतावनी दी थी जिसे हम लोगों ने बातचीत कर नजरअंदाज करवाया था।

श्री मोहनलाल जी मारवाल एवं रामस्वरूप जी दोराया द्वारा

कुमावत जन मंगल ट्रस्ट का गठन किया। जिन्होंने घर-घर व कार्यालयों में देशभर में जाकर कुमावत समाज ''कौन-क्या-कहां'' नाम से डायरेक्ट्री तैयार कर अच्छा काम किया। उनके बाद इस ट्रस्ट को श्री खड़गटा जी को सौंपा गया जिसका अस्तित्व अब कहीं नजर नहीं आ रहा है। किन्तु उसकी तर्ज पर कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जन मंगल ट्रस्ट बनाकर श्री खड़गटा जी चला रहे हैं।

किसी पुस्तक अथवा लेख के माध्यम से स्वयं के कार्यों की प्रशंसा करना तथा अन्य लोगों पर प्रतिकूल टिप्पणी करना अनुचित है, एक वरिष्ठ व्यक्ति के लिए कोई भी इसे शोभनीय नहीं मान सकता। मैं समाज में वर्ष 1976 से जाना जाता हूँ। ट्रस्ट गठन से पूर्व में किसी भी संस्था में जानबूझकर पदाधिकारी नहीं रहा हूँ। कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में इनके डेढ़ वर्ष के कार्यकाल की मैं सराहना करता हूँ। आत्मकथा में व्यक्ति स्वयं की अच्छाई व बुराइयों का भी विश्लेषण करके समाज के सामने अपने जीवन को प्रस्तुत करता है जिसमें अपने जीवन में हुए घटनाक्रम का ईमानदारी से लेखन करता है तब ही वह आत्मकथा कहलाती है। खड़गटा जी द्वारा आत्मकथा में मेरी तथा अन्य सम्मानीय लोगों/संस्थाओं की आलोचना किए जाने से दु:खी एवं व्यथित हूँ। इसलिए यह सब लिखना पड़ा है। मुझे आशा है कि श्री खड़गटा जी इस बात को समझेंगे।

- सी.एम. कुमावत

दूसरे होटल्स को लील रहा-हाईवे होटल्स के बिजनेस मॉडल

आपको राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात के हाइवे पर तमाम ऐसे होटल्स मिलेंगे, जिनका नाम 'भाग्योदय', 'सर्वोदय', 'अलंकार', 'तुलसी', 'सर्वोत्तम' आदि हिन्दू है!! लेकिन, इन होटलों की चेन, जिसमें हजारों होटेल्स है, उन्हें गुजरात के बनासकांठा के रहने वाले '**चेलिया मुस्लिम**' चलाते है ..!!

इन होटलों में एक भी हिन्दू को नौकरी नही दी जाती .. चेलिया ग्रुप ऑफ़ होटेल्स का हेड ऑफिस अहमदाबाद में है । इनकी पूरी खरीद 'सेंट्रलाइज्ड' होती है । ये डायरेक्ट कोल्डड्रिंक, नमकीन आदि बनाने वाली कम्पनीज के साथ 'बल्क' में डील करते हैं .. फिर उसे हर एक होटल में सप्लाई करते है । जहाँ तक सम्भव हो, ये खरीदारी सिर्फ मुस्लिम से ही करते है । इनके होटल्स में इन्वर्टर बैटरी, आर. ओ. पानी आदि सप्लाई करने वाला भी मुस्लिम ही होता है ..।

चूँकि ये अपने होटल्स का नाम भी हिन्दू नाम जैसा ही रखते है और 'Only veg' लिखते है। इनके होटल्स-ढाबे भी साफ सुथरे दिखते है .. इसलिए लोग इन होटल्स-ढाबों की तरफ आकर्षित होते है ..। इनका ये मानना है कि, बहुसंख्यक लोगों से पैसा निकालो और उसे मुस्लिमो के बीच लाओ ..!!

इनका पूरा बिजनेस फ्रेंचाइजी मॉडल पर आधारित होता है ..। इनकी एक सहकारी समिति है, जो अल्पसंख्यक आयोग में अल्पसंख्यक समिति के रूप में पंजीकृत है .. इस समिति में, देश-विदेश के लाखो चेलिया मुस्लिम्स सदस्य है और सब अपना अपना योगदान देते है । फिर ये हाइवे पर कोई अच्छा सा जगह देखकर उसे काफी ऊँची कीमत देकर खरीद लेते है। फिर उस हॉटल का एक खरीदी-बिक्री का अकाउंट बनाते है .. और उस हॉटल को किसी चेलिया मुस्लिम को चलाने के लिए सौंप देते है ..!!

पुरे विश्व के 'चेलिया मुस्लिम' सिर्फ मुहर्रम में, अपने गाँव में इकठ्ठे होते है । फिर हर एक हॉटल के लाभ-हानि का हिसाब करते है ।इसलिए, मुहर्रम के दौरान, करीब 20 दिनों तक, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान के हाइवे पर के 90% हॉटल्स बंद रहते है ..।

ये बसों के ड्राइवरों को बेहद महंगे गिफ्ट देते है ताकि, ड्राइवर इनके ही होटल पर ही बस रोके ..!!

अहमदाबाद के सरखेज में इनका बहुत बड़ा सेंट्रलाइज्ड परचेज डिपो है । खुद का आलू प्याज आदि रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज है ..। ये सीजन पर सीधे किसानो से, बेहद सस्ते दाम पर आलू प्याज, अदरक, आदि खरीद लेते है ..!!

'इकोनॉमिक्स टाइम्स - अहमदाबाद' में छपी एक रिपोर्ट में, इस चेलिया हॉटेल्स की कुल पूंजी इस समय, करीब 3000 करोड़ रूपये पहुंच चुकी है ..!! और इनकी कुल परिसम्पत्तियों की कीमत, इस समय 10,000 करोड़ रूपये है।

हिन्दुओ के जेब से पैसा निकालकर उसे मुसलमानों में बांटने का यह 'चेलिया ग्रुप्स ऑफ़ हॉटल्स' का मॉडल है ..।

मुंबई-नासिक हाईवे, राजस्थान में जयपुर-अजमेर हाईवे पर हिन्दू नामों से सभी होटल्स इस ग्रुप के हैं।

दु:ख इस बात का है की अभी तक, चेलिया मुस्लिमो के इस खेल को अन्य लोग नही समझ सके और इनके होटलों में खाना खाकर या इन्हें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करके इन्हें आर्थिक रूप से और समृद्ध कर रहे है।

ये लोग अन्य हॉटल्स को चलने ही नही देते ..। इससे स्थानीय बहुसंख्यक लोग अपने होटल-ढाबे बंद करके नरेगा में काम करने को मजबूर हो रहे है। जिस ओर किसी का ध्यान ही नहीं है। यद्यपि व्यापार करना सबका अधिकार है। इस होटल चेन से कैसे अन्य बन्धु अपना व्यापार बचा पाये इस पर मंथन जरूरी है।

अमृत लाल गोयल अध्यक्ष

त्रिरूपति के नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष पद पर अमृत लाल गोयल को मनोनीत किया गया है। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई।

पौराणिक, धार्मिक व औषधीय गुणों से भरपूर ''तुलसी का पौधा''

हिन्दू धर्म में तुलसी का अपना एक विशेष महत्व है। इसीलिए अधिकतर घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है। तुलसी पृथ्वी को ईश्वर की बहुत बड़ी देन है। वेद पुराणों में भी तुलसी की अनेक कथाएँ बताई गई हैं। परन्तु तुलसी की सबसे बड़ी महिमा है, तुलसी के अंदर छुपे हुए 'अमृत के गुण।' जब समुद्र मंथन से देवताओं को अमृत प्राप्त हुआ तो उसे सर्वप्रथम पृथ्वी माता को समर्पित किया। जहाँ अमृत सींचा गया उस स्थान से एक अलौकिक वनस्पति की उत्पत्ति हुई वो वनस्पति है ''तुलसी।'' जिसे हम तुलसी मैय्या के रूप में जानते और पहचानते हैं। तुलसी मैय्या देवताओं को अत्यधिक प्रिय है। लक्ष्मी का अंश होने के कारण यह भगवान विष्णु को अधिक प्रिय है। भगवान विष्णु तथा उनके अवतारों श्रीराम व श्रीकृष्ण को समर्पित की गई कोई भी पूजा तुलसी के बिना पूर्ण नहीं मानी जाती है। प्रभु को भोग लगाकर जो प्रसाद पाया जाता है उसमें तुलसी का होना अनिवार्य है।

तुलसी का पौराणिक इतिहास-सनातन परम्परा में जड़ और चेतन सभी में ईश्वर का भाव रखते हैं। नदियाँ, पहाड़, पत्थर और पेड़-पौधों में भी ईश्वर का वास माना जाता है। तुलसी के पौधे में नकारात्मक ऊर्जा नष्ट करने की क्षमता होती है। इसलिए तुलसी के पौधे में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। तुलसी में औषधीय और दैवीय दोनों गुण पाये जाते हैं। मान्यता है कि श्रीहरि ने छल से तुलसी का वरण किया था इसलिए श्रीहरि को पत्थर हो जाने का श्राप मिला था और श्रीहरि ने शालिग्राम रूप लिया था। शालिग्राम रूपी भगवान विष्णु की पूजा तुलसी के बिना नहीं हो सकती है।

कोविड-19 (कोराना) से लड़ने में समक्ष-पूरा विश्व अभी कोविड-19 वैश्विक महामारी से त्रस्त है। सम्पूर्ण विश्व वैक्सीन बनाने में जुटा है। आयुर्वेदाचार्यो का कहना है कि जिन लोगों का इम्यूनिटी सिस्टम कमजोर होता है, उन्हें कोरोना का खतरा अधिक होता है। ऐसे में इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होना बहुत जरूरी है। वैसे इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत करने के बहुत सी दवाईयाँ उपलब्ध है। लेकिन इसे नेचुरल तरीके से बढ़ाया जा सकता है जो सही भी रहता है। नेचुरल तरीके से इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत करने के लिए काढ़ा सबसे अधिक कारगर उपाय है। तुलसी के पत्ते, अदरक, हल्दी, गिलोय, काली मिर्च, लोंग के काढ़े से इम्यूनिटी मजबूत होती है और शरीर कोरोना से लड़ने में बेहतर रूप से सक्षम होता है।

तुलसी का वैज्ञानिक महत्व-तुलसी के पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता पाई जाती है। तुलसी के पत्तों के नियमित इस्तेमाल से शरीर इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके नियमित सेवन से सर्दी-जुकाम, फ्लू जैसी छोटी मोटी बीमारियाँ नहीं होती है। साथ ही साथ गंभीर रोगों में तुलसी के पत्तों के इस्तेमाल से काफी लाभ होता है। जहाँ भी तुलसी का पौधा लगा होता है उसके आसपास केवल सकारात्मक ऊर्जा होती है।

तुलसी को संजीवनी बूटी की संज्ञा दी गई है-आयुर्वेद में तुलसी को संजीवनी बूटी की संज्ञा दी गई है। श्वांस संबंधित रोग, बुखार, खांसी-जुकाम को ठीक करती है। किडनियों को स्वस्थ रखती है। इसकी पत्तियों में चमकीला वाष्पशील तेल पाया जाता है जो कीड़ों व बैक्टीरिया के खिलाफ कारगर साबित हुआ है। इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह स्ट्रेस व डिप्रेसन को भी दूर भगाने में सहायक होती है। तुलसी का प्रयोग आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी एवं ऐलोपैथी दवाओं में होता है तुलसी में विटीमिन व खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ श्वांस लेने में हो रही परेशानी को राहत दिलाने में सहायक होती है।

तुलसी से जुड़े महत्वपूर्ण व रोचक तथ्य- तुलसी को संस्कृत में हरिप्रिया कहा गया है अर्थात् जो हरि यानि भगवान विष्णु को प्रिय है। औषधि के रूप में तुलसी की उत्पत्ति से भगवान विष्णु का संताप हुआ था, इसलिए तुलसी को यह नाम दिया गया है।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि तुलसी के पौधे की 'जड़' में सभी तीर्थ, 'मध्य' भाग (तना) में सभी देवी-देवताओं और 'ऊपरी शाखाओं' में सभी वेद यानि चारों वेद स्थित है इसलिए इस मान्यता के अनुसार तुलसी का प्रतिदिन दर्शन करना पापनाशक समझा जाता है।

कहा जाता है कि जब हनुमान जी लंका भ्रमण कर रहे थे तो लंका में विभीषण के घर तुलसी का पौधा देखकर ही विभीषण का घर होने की पुष्टि की थी। रामचरितमानस में वर्णन भी है कि ''**नामायुध अंकित गृह सोभा बरनि न जाई। नव तुलसिका बृंद तहँ देखि हरष कपिराइ।।**' इसी कारण हनुमान जी ने सिर्फ विभीषण के महल को छोड़कर पूरी लंका जला डाली थी।

प्रचलित परम्परा के अनुसार मृत शैय्या पर पड़े व्यक्ति को तुलसी दलयुक्त जल सेवन कराया जाता है क्योंकि हिन्दू विधान में तुलसी की शुद्धता सर्वोपरि है। तुलसी का नाम वृन्दा भी है। प्राचीन भारत में मथुरा के आसपास के कई योजन में फैला इसका विशाल वन था, जिसे वृन्दावन कहते थे, वृंदा यानि तुलसी से प्रेम होने के कारण द्वापर युग में भगवान विष्णु, कृष्णावतार में यहाँ विहार करते थे, इसलिए उनका एक नाम वृन्दावन बिहारी भी है। तुलसी में थाइमेल तत्व पाया जाता है जो त्वचा रोगों को दूर करने में मददगार होता है। तुलसी में तनावरोधी गुण पाए जाते हैं। कई शोधकर्ताओं ने तनाव में तुलसी के लाभ के बारे में पुष्टि की है।

-जयसिंह गुड्डीवाल, 9461343432

यशराज कुमावत कबड्डी टीम राजस्थान ने जीता मैच

जिला स्तरीय ओलम्पिक नेशनल कबड्डी चैम्पियनशिप उज्जैन के फाइनल मैच में राजस्थान की टीम ने महाराष्ट्र की टीम को फाइनल मैच में पराजित किया। इस टीम ने थोई के श्री यशराज कुमावत राजस्थान टीम के कप्तान थे। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत, बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

8 फरवरी श्री मुकेश चन्द कुमवत, मोती विहार, रामनगर, अजमेर
11 फरवरी श्रीमती रत्नी देवी पत्नी स्व. श्री पूरण जी घोड़ला, सांगानेर, जयपुर
14 फरवरी श्री सत्यनारायण पारवाल, कुमावत कॉलोनी, ब्यावर
15 फरवरी श्री पवनराम अजमेरा, झालरापाटन
17 फरवरी श्री सुभाष देवतवाल, जे.पी. कॉलोनी टोंक फाटक, जयपुर
17 फरवरी श्री रामस्वरूप चौरासिया, कालवाड़ रोड, जयपुर
18 फरवरी श्रीराहुल आर्य (राहोरिया), बिरल गार्डन, ब्यावर
22 फरवरी श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र स्व. ओम प्रकाश कुमावत, एसएमएस क्वार्टर, जयपुर
27 फरवरी श्री नाथूराम सारड़ीवाल, भट्टों की गली, जयपुर
27 फरवरी श्री नेमीचन्द दौराया, सायपुरा रोड, सांगानेर, जयपुर
27 फरवरी श्री कन्हैयालाल जी घोड़ेला, मंशाकॉलानी,सिरसी रोड, जयपुर
28 फरवरी श्री राम निवास अजमेरा, निमेडा, फागी जयपुर
28 फरवरी श्रीमती मंजू देवी धर्मपत्नी श्री शंकरलाल जी राहोरिया, अजमेर रोड, जयपुर

2 मार्च श्री मंगलचन्द कुमावत पुत्र स्व. दामोदर जी बैरा, नींदड़, जयपुर
2 मार्च श्री प्रमेन्द्र (चिंटू) पुत्र श्री राजकुमार खौराणिया, कल्याण जी का रास्ता, जयपुर
2 मार्च श्रीमती धन्नी देवी धर्मपत्नी रश्री जानन्द धमुनिया मनोहरपुर जयपुर
2 मार्च श्री फूलचन्द खोरानिया (ठेकेदार), शास्त्री नगर, जयपुर
2 मार्च श्रीमती भंवरी देवी धर्मपत्नी श्री लख्मीनारायण जी पारमवाल, रींगस
5 मार्च श्री जगदीश पिपलोदा, कुमावत कॉलोनी ब्यावर
6 मार्च श्री गौरी शंकर जी मारोठिया, सिंधी कैमप, जयपुर
6 मार्च श्री गोपाल जी नगनिया, नया शहर, किशनगढ़, अजमेर
8 मार्च श्री जितेन्द्र आर्य (राहोरिया) ओम सत्यम गार्डन, ब्यावर
12 मार्च श्री सीमाराम कुमावत उप सरपंच दांतारामगढ़
12 मार्च श्री शंकर लाल पुत्र स्व. फूल चन्द खोवाल, चांदपोल बाजार, जयपुर
16 मार्च श्री चौथमल छापोला, रामपुरा रोड, जयपुर
18 मार्च श्री रामसिंह जी सिरस्वा पुत्र स्व. श्री नंद किशोर जी, जयपुर
18 मार्च श्री भगवान सहाय कुमावत (जूनवाल) जे.पी. कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवतियाँ

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
B.Com., M.A.	-	17.12.94	5'1''	अडानिया	घोड़ेला	खनाड़िया	बासनीवाल	9827021266	इंदौर
BDS, MDS IIyear	-	3.8.93	5'0''	रैनीवाल	अजमेरा	माल	मारोठिया	9425379989	उज्जैन
BA	-	27.12.94	5'0''	मारवाल	नेमीवाल	किरोड़ीवाल	घोड़ेला	9950752555	मदनगंज
L.L.B.	-	14.3.96	5'2''	मारोठिया	पीपलोदा	घोड़ेला	जलान्दरा	9784074572	किशनगढ़
M.Com., Fash.D.	-	1.11.94	5'4''	नेमीवाल	पारमवाल	माचीवाल	मावर	9828232883	ज़्यावर
MBA F&HR	Private 22000/-	16.10.85	5'0''	दाहिमा	बड़गुंदा	देवतवाल	चौरसिया	9413552939	उदयपुर
B. Arch	-	10.6.95	5'3''	जलान्दरा	सिरसवा	राजोरिया	माचीवाल	9828735484	नावां
M.A.	-	19.7.97	5'6''	दौराया	उदयवाल	खोवाल	सारड़ीवाल	8290095974	जयपुर
M.Com.	-	5.5.93	5'2''	गमेरिया	धुंधारिया	जडाऊ	सरोया	9314537650	जयपुर
B.Tech. (CS)	-	19.5.93	5'3''	घोड़ेला	इटाडा	देवतवाल	दज़्बीवाल	8949790161	जयपुर
B.Sc.,	Study Bed.	18.2.2000	5'7''	लोइचा	टाँक	अनावरिया	मजविरिया	9413584711	बांसवाड़ा
B.Tech.(I.T.)	H.R. IMS Ahmdabad	28.6.95	5'5''	खनाडिया	गोटवाल	बात्रा	बडानिया	9079232051	उदयपुर
M.Sc.(zology) PHD	Delhi, Asst. Director	28.4.79	5'2''	खटोड़	मोरवाल	खोवाल	मारोठिया	9928757346	जोधपुर
B.Sc.M.A.	Lab Assi.	01.3.96	5'6''	महावर	रतीवाल	अरनिया	देवतवाल	9414667253	पुष्कर
M.A., BSTC	Pvt. Teacher	11.10.94	5'3''	राजोरिया	घोड़ेला	आइथान	देदीवाल	9829931746	जोधपुर
M.A.	-	9.9.96	5'3''	कुंडलवाल	मारवाल	मण्डोवरा	मालिया	9468695942	ज़्यावर

युवक

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
B.Tech. (machnical)	-	13.11.96	5'8''	मारोठिया	सिरोडिया	कुण्डलवाल	लाज़्बा	9828103125	जयपुर
M.Com.	shop working 20,000/-	20.08.92	5'5''	माचीवाल	भोडीवाल	कुदाल	घोड़ेला	7073008111	नागौर
12th	shop chennai 25000/-	20.12.95	5'8''	सारणा	आसीवाल	महावर	बालोदिया	8248987064	अजमेर
M.A., B.Ed.	Teacher IIIGrade	25.2.89	5'8''	घटेलवाल	जालिन्द्रा	तीनवा	किरोड़ीवाल	8890859561	झुंझुनूं
B.Com.,M.A.	Private	28.5.95	5'7''	मारोला	चौरमा	लिज़्बवाल	तीकोलिया	9827795622	इन्दौर
B.Sc. DEI B.Ed.	Lecturer CBSE	10.11.95	6'0''	बैरा	चोरमा	धनेरिया	तिकोलिया	8989698678	धार
B.Com.	Vido mixing	6.9.90	-	अडानिया	मारोठिया	मारवाल	सिरस्वा	9826097693	इन्दौर
8th	Civil work	1.10.89	5'1''	राजोरिया	कुण्डलवाल	कुसुज़्बीवाल	सोमरिया	9697508665	सीकर
B.A.	LDC in collage	10.4.91	5'6''	देवतवाल	धनेरिया	मावर	मारोठिया	9828816870	अजमेर
B.A. (Manglic)	Bussniess	19.3.93	5'11''	बैरा	मारवाल	मारोठिया	कारगवाल	7014560308	जयपुर
B.Com.,BCA	-	5.3.94	5'10''	गैदर	राजोरिया	लोहड़ीवाल	मारोठिया	9887227691	अजमेर
M.Sc.	Pvt. Coll. Lacturear	24.1.98	5'11''	घोड़ेला	किरोड़ीवाल	कोलसीया	जालीन्द्रा	8104087219	झुंझुनूं
M.C.A.	Job(MNC)	6.10.96	5'8''	मोरवार	अजमेरा	इटारा	हटवा	9785102122	चिज़ौड़गढ़
M.Com	RTO Officer	6.3.97	5'11''	घोड़ेला	सिंगनवाल	मन्उनिया	मडावरिया	9636624266	चिज़ौड़गढ़
B.A.	Reliance JIO	26.9.94	5'7''	कागरवाल	बालोदिया	मारवाल	बड़ीवाल	9509061549	जयपुर
M.A.	राज. शिक्षक	18.3.94	6'0''	खोवाल	बासनीवाल	तूनवाल	घोड़ेला	9772670025	सीकर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

सदस्यता समाप्ति सूचना

तीन वर्षीय सदस्य अक्टूबर-जनवरी में क्र.सं. 1 से 298 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें। सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ कुमावत अवश्य लगाएं। क्योंकि गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत की एक लाईन में श्रद्धांजलियाँ निःशुल्क प्रकाशित की जाती है इस हेतु पत्रिका के कार्यालय को सूचित करने का कष्ट करें।

आवश्यक सूचना : पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 23 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है। ■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

जयपुर शहर व्यवसाय डाइरेक्ट्री का प्रकाशन शीघ्र

पत्रिका शीघ्र ही समाज की एक बहुउपयोगी **व्यवसाय डाइरेक्ट्री** का प्रकाशन करने जा रही है। यह डाइरेक्ट्री कोरोना महामारी के कारण लेट हो गई है। इसमें जयपुर नगर निगम क्षेत्र के व्यापारियों की दुकानों/संस्थानों/प्रोफेशनल्स का नाम, पता, फोन/मो. नं. आदि का एरिया वाईज प्रकाशन मार्च 2021 में किया जावेगा। इस प्रकाशन के प्रधान सम्पादक श्री हेमचन्द खड़गटा होंगे, समाज के व्यापारियों, उद्योगपतियों, प्रोफेशनल्स एवं सेवाप्रदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने संस्थानों का विवरण एवं विज्ञापन श्री खड़गटा को देकर सहयोग करें।

डाइरेक्ट्री हेतु विज्ञापन की दरें निम्न प्रकार हैं :

साईज	दर रुपए	साईज	दर रुपए
विजिटिंग कार्ड	400/-	1/6	800/-
1/4	1000/-	1/2	1800/-
1 पेज (अन्दर)	3000/-	कवर पेज 2	4000/-
कवर पेज 3	5000/-	कवर पेज 4	10000/-

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-विशाल कम्प्यूटर महेश नगर फाटक, मो. 9664386269

ब्यावर-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

दिल्ली-श्रीराधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

फुलेरा-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में **रमेश कुमावत (गैदर)** अध्यक्ष की टीम को भारी मतों से विजयी होने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु :

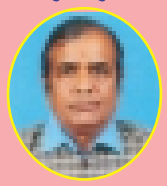

रामप्रकाश मारवाल

433 ए- सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015

मंत्री, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर, जयपुर

मो. : 9414074376

वैवाहिक

Garvit Verma (Manu)

Date of Birth	:	Nov., 1990
Height	:	5'6"
Complexion	:	Fair
Gotra	:	Self- Balothiya Mother -Naga Grand Mother-Basniwal Nani-Doraya
Education Qualification	:	B Tech from IIT Kharagpur M. Tech from IIT Kharagpur
Job Profile	:	Officer at Employees Provident Fund Organization, Govt. of India, Ministry of Labour
Father	:	Sh. Satish Kumar Verma, Retd as Senor Banks Manager, ICICI Baml
Mother	:	Smt. Vimla Verma (House wife)
Sibling	:	Shivi Verma (Maried), B. Tech, MBA & working at JVVNL, Jaipur
Kokako	:	Bharat Kumawat (A.En. JVVNL, Jaipur)

Res. : E-570, Lal Kothi Scheme, Opp. Vidhan Sabha, Jaipur Mobile: 9983340103, 9610373707

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में **श्रीमती भारती वर्मा (तोंदवाल)** उपाध्यक्ष एवं टीम भारी मतों से विजयी होने पर **हार्दिक बधाई**

शुभेच्छु

श्रीमती विद्या देवी-भवानी शंकर तोंदवाल (सास-श्वसुर)

रमेश वर्मा (पति)

श्रीमती कृति-आभास (पुत्रवधु-पुत्र) अभिनन्दन (पुत्र)

60, जय जवान कॉलोनी-II, टोंक रोड, जयपुर -302018

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में **रमेश कुमावत (गैदर)** अध्यक्ष की टीम को भारी मतों से विजयी होने पर **हार्दिक बधाई**

श्रीमती विमला देवी-लालचन्द धुंधारिया

नीरज कुमावत

137 बी, आनन्दपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर-302004, मो. : 9413335998

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर
के चुनाव में निर्वाचित हुए सभी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई

अध्यक्ष
रमेश गैदर

उपाध्यक्ष
ओमप्रकाश कुलचानिया

उपाध्यक्ष
भारती तोंदवाल

मंत्री
गौरव अजमेरा

कोषाध्यक्ष
सुरेन्द्र घोड़ीवाल

संगठन एवं प्रचार मंत्री
अजय अनावड़िया

उपमंत्री
पूनम कुमावत

उपमंत्री
सिद्धार्थ घोड़ीवाल

उपकोषाध्यक्ष
अनिल वर्मा

सदस्य
हरदेव कुमावत

सदस्या
कमलेश मारोठिया

सदस्या
रीना अजमेरा

उपमंत्री
आशुतोष कोलुगरिया

Ganpati Stone Industries
(A Natural Stone Studio)
Jaisinghpura opp. hotel Ramada-Bhankrota, Jaipur-303006
www.ganpatistone.com | ganpatistonejaipur@gmail.com

Well done
Aviral

पुत्र : श्रीमती अलका-श्री अनिल मारवाल
से.नि. DGM, BSNL

University of Cambridge. England
में Ph.D. (Oct., 2020)
हेतु चयन होने पर
हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु
मालती देवी-सूरजमल अनावड़िया (समधी)
अनुकृति-विकास अनावड़िया (बहन-बहनोई)
जियांशी एवं आर्या (भान्जियां)

A-22D, इन्द्रापुरी, लालकोठी, जयपुर-302015, मो. : 9314644517

श्रद्धांजलि

स्व. 21.03.2009
12वीं पुण्यतिथि
21.03.2021

स्व. श्री कन्हैयालाल जी

स्व. 02.11.2006
15वीं पुण्यतिथि
02.11.2021

स्व. श्रीमती जमना देवी

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : रामकुमार बिरथलिया - भौंरीदेवी (से.नि. मैने, पी.एन.बी.)
पौत्र - पौत्रवधु : पूनम - महेन्द्र कुमावत, सी.ए.सी.एस., आस्ट्रेलिया
नीलम (मोना) - दीपेन्द्र कुमावत, सी.ए. आस्ट्रेलिया
पौत्री - पौत्री दामाद : मंजू - इंजि., संजय गोयल (गोल्या)
पड़पौत्री : रूसवी, आहना,
पड़पौत्र : मेधिर, यूवल

निवास : बी-186, वैशाली नगर, जयपुर - 302021

12वीं पुण्यतिथि
10 मार्च, 2021

स्व. श्रीमती दुर्गा देवी

(पत्नी स्व. श्री रामेश्वर जी किरोड़ीवाल)

स्व. 10.03.2009 *हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजति अर्पित करते हैं।*

श्रृद्धान्वत :
पुत्र-पुत्रवधु : सावित्री - पुरूषोत्तम आर किरोड़ीवाल
ई-201, राजेश नगर, सांई बाबा मन्दिर के पास, बोरीवली (प.)
मुम्बई - 91, मो. : 09821868551
सुशीला - लक्ष्मीनारायण आर. किरोड़ीवाल
401, राज शिवम्, अशोकबन, दहीसर, मुम्बई
गीता - रामचन्द्र आर. किरोड़ीवाल, पालधर, मुम्बई
पुत्री - दामाद : शारदा - बनवारी लाल घोड़ेला इन्दौर,
मंजू - कृष्णगोपाल मारवाल, वापी
देवर : नेमीचन्द किरोड़ीवाल मलाड़ ईस्ट

स्व. 26.03.2011
10वीं पुण्यतिथि
26.03.2021

स्व. श्री रामगोपाल हीरालाल वर्मा (किरोड़ीवाल)

(दानदाता एवं समाजसेवी)

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित
श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पत्नी : विमला देवी, लघुभ्राता : नेमीचन्द वर्मा,
पुत्र : बालकिशन, महेश वर्मा
भतीजे : पुरूषोत्तम, लक्ष्मीनारायण, रामचन्द्र
पौत्र : मनीष, मोहित, श्याम, मयंक, तनय पौत्री : गुंजन
एवं किरोड़ीवाल परिवार मुम्बई एवं दांता (सीकर)

पता : गोपाल सदन, दत्त मंदिर रोड़, मलाड़ (ईस्ट), मुम्बई - 97

कुमावत जनमंगल ट्रस्ट के संस्थापक सचिव

स्व. श्री मोहन लाल मारवाल

8वीं पुण्यतिथि
03 मार्च 2021

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित
श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

कुमावत जनमंगल ट्रस्ट (रजि.), जयपुर

सुरेन्द्र कुमार राज (खोवाल)	सोहनलाल दौराया	नन्दकिशोर मारवाल
अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	उपाध्यक्ष
ई-712/713, लालकोठी योजना, जयपुर	ए-23 ए, सेन कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर	173, इन्द्रा कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर
मो: 9829384594	मो: 7340024320	मो : 9413332427

ट्रस्टी : डॉ. सुमित दौराया, गिर्राजसिंह देवतवाल

पंचम पुण्यतिथि 19 मार्च, 2021

स्व. 19.03.2016

स्व. श्रीमती आशा देवी कुमावत

(पूर्व अध्यक्षा - भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा,ईकाई - सांगानेर)

(धर्मपत्नि सोहन लाल अजमेरा)

आपकी सादरगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे।
आज हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वतः

सोहन लाल कुमावत (एडवोकेट) पति, अजय-पूनम (पुत्र-पुत्रवधु)
कार्तिकेय-परिधि (पौत्र -पौत्री) संग्राम सिंह-ममता, दीपा-बृजेश कुमार
मीनाक्षी-राजकुमार (दामाद-पुत्रियां)

बाजगी तलाई, वार्ड नं. 97 (New), सांगानेर, जयपुर मो. 9636860812

हमारे दोहिते

चि. तरुण खड़गटा

CA FOUNDATION (2021)

प्रथम प्रयास में सफलता पर

हार्दिक बधाई

नाना-नानी : ओम प्रकाश केकड़त्या एवं किरण देवी

मामा-मामी : राजेश-कुमकुम, अजय-प्रमिला

भाई-बहन : रितेश, सूर्यांश, दीप्ती, हार्दिका

Krishna Garments

ALL KIND OF FAMILY WEAR

2626, Darziya ka Chouraha, Khajane Walon ka Rasta, Jaipur

निवास : म. न.1780-81, खेजड़ों का रास्ता, इन्दिरा बाजार, जयपुर

मेरे पौत्र

चि. तरुण खड़गटा

CA FOUNDATION (2021)

प्रथम प्रयास में सफलता पर

हार्दिक बधाई

दादा- दादी : पुष्पा-हेमचन्द खड़गटा

माता-पिता : मनीष - संगीता खड़गटा

चाचा-चाची : शैलेन्द्र-पूनम

लघु भ्राता : हर्षवर्धन खड़गटा

'पुष्पम्' 86 ई- गणेश नगर, बिड़ला मन्दिर के पीछे,
विजय पथ, तिलक नगर, जयपुर

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में निर्वाचित हुए सभी उम्मीदवारों को **हार्दिक बधाई**

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

हेमचन्द खड़गटा — अध्यक्ष

चेतन कुमावत (धुंधारिया) — उपाध्यक्ष

कस्तूरमल कुमावत — सचिव

लालचन्द धुंधारिया — कोषाध्यक्ष

ट्रस्टी : रेखा सिंह बैथाड़िया, निकिता राजोरिया, सतीश खड़गटा, शैलेन्द्र खड़गटा, मोहित धुंधारिया

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018

रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

VINOD BALODIA
CHETAN BALODIA

SUNIL BALODIA
RAVI BALODIA

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Since-1977

Raj Blocks

OFFSET PRINTERS

Nr. Sai Baba Temple, Choura Rasta, Jaipur
Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail : rajblocks@yahoo.com

PRESS

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area,
22 Godown, Jaipur-302019

Ph.: 0141-4022538 • Mob.: 9414052736 . 9928910068
E-mail:rajprintlinejpr@gmail.com • rajblocksjpr@gmail.com

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

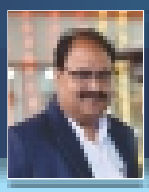

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

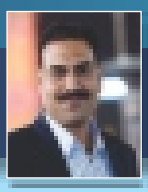

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक : हेमचन्द्र कुमावत, प्रकाशक
कुमावत प्रगति ट्रस्ट, म.न. 2806, खड़गटा भवन,
मोती डूंगरी, जयपुर-302004